राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,१८मार्च २०२१ वर्ष-४, अंक -५४ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम नरेन्द्र मोदी बोले- हमें छोटे शहरों पर देना होगा ध्यान

आरटी-पीसीआर टेस्ट को 70 फीसद करने की जरूरत

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के लगातार बढ़ते मामलों ने केंद्र सरकार की टेंशन बढ़ा दी है। आगे की रणनीति पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाई है। पीएम मोदी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये मुख्यमंत्रियों के साथ बातचीत करते हुए कहा कि हमें हर हाल में कोरोना महामारी को हराना होगा और इसके लिए मांस्क को लेकर गंभीरता अभी भी बहुत जरूरी है। इस बैठक में पीएम मोदी ने देश में कोरोना की स्थिति का जायजा लिया और दो महीने पहले शुरू हुए देश के टीकाकरण अभियान की प्रगति का आकलन किया। हालांकि बैठक में पश्चीम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल शामिल नहीं हुए हैं।

मुख्यमंत्रियों संग बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना के खिलाफ देश की लड़ाई को एक साल से ज्यादा हो रहा है। भारत के लोगों ने कोरोना का जिस प्रकार सामना हो रहा है, उसे लोग उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करते हैं।आज देश में 96 प्रतिशत से ज्यादा मामले रिकवर हो चुके हैं। मृत्यु दर में भी भारत सबसे कम दर वाले देशों में है। कुछ राज्यों में केसों की संख्या बढ़ रही है। देश के 70 जिलों में ये वृद्धि 150 प्रतिशत से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि हमें कोरोना की इस उभरती हुई दूसरी लहर को तुरंत रोकना होगा। इसके लिए हमें त्वरित और निर्णायक कदम उठाने होंगे।

पीएम ने कहा कि कोरोना की लड़ाई में हम आज जहां तक पहुंचे हैं, उससे आया आत्मविश्वास, लापरवाही में नहीं बदलना चाहिए। हमें जनता को पैनिक मोड में भी नहीं लाना है और परेशानी से मुक्ति भी दिलानी है। 'टेस्ट, ट्रैक और ट्रीट' को लेकर भी हमें उतनी ही गंभीरता की जरूरत है जैसे कि हम पिछले एक साल से करते आ रहे हैं। हर संक्रमित व्यक्ति के कॉन्टैक्ट को कम से कम समय में ट्रैक करना और आरटी-पीसीआर टेस्ट रेट 70 प्रतिशत से ऊपर रखना बहुत अहम है।

देश के कुछ राज्यों में कोरोना वायरस के मामलों में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक, गुजरात और तमिलनाडु में बढ़ते संक्रमण ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। इसके मद्देनजर महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश के कई शहरों में नाइट कर्फ्यू लगाया गया है।

बता दें कि देश के कुछ राज्यों में कोरोना वायरस के मामलों में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक, गुजरात और तमिलनाडु में बढ़ते संक्रमण ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। इसके मद्देनजर महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश के कई शहरों में नाइट कर्फ्यू लगाया गया है। महाराष्ट्र सरकार ने संक्रमण को देखते हुए पुणे, नागपुर और औरंगाबाद ने नाइट कर्फ्यू लगाया गया है। गुजरात सरकार ने भी अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत और राजकोट में नाइट कर्फ्यू की घोषणा की है। वहीं, मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार ने भोपाल और इंदौर शहर में नाइट कर्फ्यू लागू किया है।

हिमाचल प्रदेश के मंडी से बीजेपी सांसद राम स्वरूप शर्मा का फंदे से लटका मिला शव, खुदकुशी की आशंका

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी के सांसद रामस्वरूप शर्मा दिल्ली स्थित अपने आवास पर मृत पाए गए हैं। पुलिस ने बुधवार को बताया कि वह सुबह अपने सरकारी आवास पर मृत मिले हैं। उनका शव फंदे से लटका पाया गया और कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने उनके खुदकुशी करने की आशंका जताई है। पुलिस ने बताया कि उन्हें स्टाफ की ओर से कॉल किया गया था। उनका शव कमरे में फंदे से लटका हुआ था और दरवाजा अंदर से बंद था। उनकी मौत की जानकारी मिलते ही केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर मौके पर पहुंचे हैं। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। रामस्वरूप शर्मा 2014 में पहली बार मंडी लोकसभा सीट से सांसद चुने गए थे। इसके बाद 2019 में एक बार फिर से चुनाव जीतकर वह संसद पहुंचे थे। आरएसएस के बैकग्राउंड से आने वाले रामस्वरूप शर्मा को उनकी सादगी के लिए जाना जाता था। सांसद के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। बीजेपी ने आज संसदीय बोर्ड की मीटिंग बुलाई थी, जिसे राम स्वरूप शर्मा की मौत के बाद कैंसल कर दिया गया है। 1958 में हिमाचल प्रदेश के मंडी में जन्मे राम स्वरूप शर्मा विदेश मामलों की संसदीय समिति का भी हिस्सा थे। परिवार में उनकी पत्नी और तीन बेटे हैं। बता दें कि बीते महीने ही दादर एवं नागर हवेली के सांसद मोहन डेलकर का शव भी मरीन ड्राइव के पास एक होटल से मिला था। पुलिस ने उनके आत्महत्या का संदेह जताया था। यही नहीं उनके कमरे से एक सुसाइड नोटिस भी बरामद हुआ था।

शिवसेना सांसद ने की जांच की मांग- इस बीच सांसद राम स्वरूप शर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए दोपहर 1 बजे तक के लिए संसद की कार्यवाही स्थगित कर दी गई है। यही नहीं शिवसेना के सांसद विनायक राउत ने राम स्वरूप शर्मा की मौत के मामले की जांच कराए जाने की मांग की है और लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव दिया है।

नई कार-बाइक खरीददारों के लिए अच्छी खबर, 1 अप्रैल से लागू होगी रि-कॉल व्यवस्था, ऐसे होगा फायदा

नई दिल्ली। नई कार-मोटरसाइकिल खरीददारों के लिए अच्छी खबर है। यदि उनकी कार-कंपोनेंट में किसी प्रकार का विनिर्माण दोष है तो सरकार के रि-कॉल पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। निर्माता कंपनी बगैर किसी शुल्क के उसे ठीक करेगी अथवा नियम के अनुसार उपभोक्ता को नई कार दी जाएगी। इसके लिए उपभोक्ताओं को डीलर-वर्कशॉप के चक्कर काटने की जरुरत नहीं है। इसमें मैकेनिकल-इलेक्ट्रिकल, पार्ट, कंपोनेंट आदि शामिल है। यह सुविधा सात साल पुरानी हो चुकी कारों पर भी मिलेगी। नए नियम एक अप्रैल 2021 से लागू हो जाएंगे। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने पिछले हफ्ते इस बाबत अधिसूचना जारी कर दी है। इसके मुताबिक देश में एक अप्रैल से विनिर्माण दोषपूर्ण-त्रुटिपूर्ण वाहनों को वापस लेना अथवा उसे ठीक करना अनिवार्य कर दिया जाएगा। यह निर्भर करेगा कि वाहन में किस प्रकार की त्रुटि है। उपभोक्ता को नए वाहन अथवा ठीक करने के लिए कोई शुल्क नहीं देना होगा। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए सड़क परिवहन मंत्रालय व्हीकल रि-कॉल नामक पोर्टल शुरू करने जा रहा है। इसमें उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। शिकायत पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय जांच अधिकारी नियुक्त करेगा। व्हीकल रिकॉल नियम दो पहिया, तीन पहिया, चार पहिया निजी व व्यावसायिक वाहनों पर लागू होगा। खास बात यह है कि वाहन के पार्ट, कंपोनेंट, रेट्रोफिटिंग आदि त्रुटियां को शामिल किया गया है। इसमें वाहन निर्माता कंपनी यह बहाना नहीं बना सकेंगे कि पार्ट दूसरी कंपनी का है, इसमें हमारा दोष नहीं है। सभी प्रकार की त्रुटियां कंपनी को ठीक करनी होंगी अथवा नया वाहन देना होगा। नए नियम के दूसरे हिस्से में वाहन त्रुटि होने पर कंपनी को पूरी खेप वापस लेनी होगी। विनिर्माण के समय अथवा असेंबल के समय त्रुटि नहीं पकड़ने और बेचने के एवज में कंपनी पर 10 लाख से 100 लाख रुपये का जुर्माना तय किया गया है। यह राशि वाहन बिक्री की संख्या के अनुसार तय होगी।

बागी सुर वाले जी-23 नेताओं पर पहली बार बोले राहुल गांधी, आरएसएस-बीजेपी पर साधा निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस मेंअसंतुष्ट चल रहे 23 नेताओं के बारे में बात करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि केवल कांग्रेस पार्टी में ही इसके लिए जगह है और उनकी पार्टी में ही विचार-विर्मश की गुंजाइश भी है। पार्टी के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि इस तरह के अलग-अलग दृष्टिकोण केवल उनकी पार्टी में ही जीवित रह सकते हैं। ब्राउन विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और छात्रों के एक समूह के साथ बातचीत में, गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर हमला करते हुए कहा हमारी पार्टी में, 20 लोगों के अलग-अलग विचार हैं। क्या आपको लगता है कि वे भाजपा, बसपा या तृणमूल कांग्रेस में मौजूद हो सकते हैं? उन्होंने कहा कि एक खंड के अलग दृष्टिकोण होने पर भी पार्टी के अंदर बातचीत बंद नहीं हो सकती। बता दें कि पिछले साल अगस्त में, पूर्व केंद्रीय मंत्रियों गुलाम नबी आजाद, आनंद शर्मा, कपिल सिब्बल और मनीष तिवारी सहित 23 वरिष्ठ

कांग्रेस नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को एक पत्र भेजा, जिसमें पार्टी के कामकाज और दृश्यमान नेतृत्व में व्यापक बदलाव की मांग की गई थी। मंगलवार को राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस 'अराजक और स्थिर' रहेगी और कभी भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) जैसे कैडर-आधारित संगठन नहीं बनेगी। उन्होंने कहा, कांग्रेस नाजी पार्टी नहीं है। यह आरएसएस नहीं है। हमारी समस्या अलग-अलग वर्गों के बीच बातचीत में फ्रैक्चर है। हम अराजक हैं, हम निरंतर हैं। हम बातचीत कर रहे हैं। यह हमारी प्रणाली है। राहुल गांधी ने कृषि कानूनों पर भी भाजपा को घेमा, राहुल गांधी ने कहा कि यह बेहद विनाशकारी है। इसे लागू करना आसान नहीं है। अगर बीजेपी ने जबरन इसे लागू किया तो सामाजिक अशांति पैदा हो जाएगी। राहुल गांधी ने भाजपा की तुलना हिटलर से करते हुए कहा कि हिटलर ने भी कहा था कि मुझे फ्रेंच और अन्य लोगों से बात करने की जरूरत नहीं है और मैं यूरोप चलाऊंगा, आपने देखा होगा कि तब क्या हुआ, बीजेपी और RSS में खुद में झांकने की ताकत नहीं है, भाजपा मुझ पर अटैक करती है, जिससे मैं खुद में सुधार करता हूं।

अब मस्जिदों में रात 10 से सुबह 6 बजे तक नहीं होगा लाउडस्पीकर के इस्तेमाल

कर्नाटक। कर्नाटक राज्य वक्फ बोर्ड ने दरगाहों और मस्जिदों पर चलने वाले लाउडस्पीकर को लेकर सर्कुलर जारी किया है। इस सर्कुलर में ध्वनि प्रदूषण पर लगाम लगाने के मकसद से रात दस बजे से लेकर सुबह 6 बजे तक मस्जिदों में लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर रोक लगाई गई है। इसके अलावा दिन में लाउडस्पीकर की आवाज की तेजी को एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड के मानकों के हिसाब से रखने को कहा गया है। 9 मार्च के इस सर्कुलर में लाउडस्पीकर का इस्तेमाल अजान और जरूरी सूचनाओं के ऐलान के लिए ही करने को कहा गया है। साथ ही इस नियम का उल्लंघन करने पर जुर्माना लगाए जाने की बात है। इसके अलावा अन्य धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान मस्जिद प्रांगण में मौजूद स्पीकर का ही इस्तेमाल करने को कहा गया है। साथ ही किसी भी अवसर पर मस्जिद के आस-पास या मस्जिद में ऊंची आवाज के पटाखों के इस्तेमाल करने पर भी पाबंदी लगाई गई है। इसके अलावा पर्यावरण अधिकारी से सलाह करके ध्वनि तंत्र लगवाने की बात कही गई है। साथ ही मस्जिद के अंदर मुअज़्ज़िन को एंप्लिफायर के इस्तेमाल का प्रशिक्षण देने की बात कही गई है।

सर्कुलर में साफ कहा गया है कि- अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों और अदालतों के आसपास 100 मीटर से कम दूरी के क्षेत्रों को साइलेंस ज़ोन के रूप में घोषित किया जाता है। जो कोई भी ध्वनि एम्पलीफायर, पटाखों, लाउडस्पीकर या पब्लिक एड्रेस सिस्टम का उपयोग करता है वह दंड के तहत उत्तरदायी है।

भारतीय रेलवे के निजीकरण पर रेल मंत्री का बड़ा बयान

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे के निजीकरण को लेकर संसद में उठे सवालों पर रेल मंत्री पीयूष गोयल ने साफ किया कि भारतीय रेलवे का निजीकरण कभी नहीं होगा। रेलवे हर भारतीय की संपत्ति है और उसी की रहेगी। रेल भारत सरकार के पास ही रहेगी। यात्रियों को अच्छी सुविधाएं और रेलवे के जरिये देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए निजी क्षेत्र का निवेश देशहित में होगा। देश तभी उच्च वृद्धि की दिशा में प्रगति और रोजगार के अवसरों का सृजन कर सकता है जब सरकारी व निजी क्षेत्र मिलकर काम करेंगे। रेल मंत्री लोकसभा में रेलवे की अनुदान मांगों पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे।

पीयूष गोयल ने कहा, 'दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, कई सांसद निजीकरण और कारपोरेटाइजेशन का आरोप लगाते हैं। मैं

सभी सांसदों को विश्वास दिलाता हूं कि भारतीय रेल प्राइवेटाइज नहीं होगी और भारत सरकार की ही रहेगी।' उन्होंने भविष्य की योजना का संकल्प लेते हुए कहा कि आने वाले दिनों में रेलवे पूरी तरह रिन्यूएबल एनर्जी पर निर्भर होगी। वर्ष 2023 तक रेलवे का शत प्रतिशत विद्युतीकरण कर दिया जाएगा। जबकि ज्यादा से ज्यादा स्टेशनों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बना दिया जाएगा।

केरल में नहीं हो पाता कोई काम

गोयल ने कहा कि कोविड महामारी से पहले मालगाड़ी की औसत रफ्तार 22-23 या अधिकतम 24 किमी प्रति घंटे होती थी। कोविड के समय योजना बनाकर उस गति को दोगुना कर 45 किमी प्रति घंटे किया गया। 'कस्टमर इज किंग' को सामने रखकर ग्राहकों के पास जाकर औद्योगिक प्रतिष्ठानों के सामान रेलवे में ढोए जाते हैं। डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर से भविष्य में बंगाल की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। तेज गति से उद्योग आएंगे और वहां विकास होगा। केरल में 2009 से 2014 के बीच जो पैसा निवेश होता था, वो लगभग ढाई गुना कर दिया गया है, लेकिन केरल में काम नही हो पाता क्योंकि जमीन उपलब्ध नहीं कराई जाती।

वंदे भारत से जुड़ेगा देश का कोना-कोना-सवालों के जवाब में गोयल ने कहा कि वर्ष 2023 के मार्च तक कश्मीर से कन्याकुमारी तक रेलवे एक कड़ी में जुड़ जाएगी। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 35 विस्टा डोम चलाए जा रहे हैं जिन्हें बढ़ाकर 100 किया जाएगा। आने वाले दिनों में वंदे भारत जैसी हाईस्पीड ट्रेनों से देश का कोना-कोना जुड़ जाएगा। यह सब आत्मनिर्भर भारत के बूते किया जाएगा।

दुनिया की सर्वाधिक प्रदूषित राजधानी बनी दिल्ली, 30 सबसे प्रदूषित शहरों में भारत के 22 सिटी शामिल

नई दिल्ली। पिछले साल कोरोना महामारी के कारण लॉकडाउन लगाए जाने के कारण दिल्ली के प्रदूषण में थोड़ी गिरावट जरूर आई है। लेकिन इसके बावजूद दिल्ली दुनिया की सर्वाधिक प्रदूषित राजधानी है। मंगलवार को जारी वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता 2019 से 2020 की तुलना में 15 फीसदी बेहतर हुई है। बावजूद इसके दिल्ली दुनिया के प्रदूषित शहरों में दसवें स्थान और दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बन गई है। साल 2020 में भारतीय शहरों की वायु गुणवत्ता में 63 फीसदी का सुधार दर्ज किया गया।

रिपोर्ट में पीएम-2.5 के आधार पर देशों, राजधानियों और शहरों की रैंकिंग की गई है। तीन सर्वाधिक प्रदूषित देशों में बांग्लादेश, पाकिस्तान और भारत हैं। जबकि तीन सर्वाधिक प्रदूषित राजधानियों में दिल्ली, ढाका और उलानबटोर हैं। दिल्ली में पीएम 2.5 का वार्षिक औसत 84.1 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर पाया गया। जबकि ढाका और मंगोलिया की राजाधानी उलानबटोर में यह क्रमश 77.1 तथा 46.6 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर दर्ज किया गया। इसी प्रकार भारत के तीन सर्वाधिक प्रदूषित महानगरों में दिल्ली, मुंबई तथा बेंगलुरु

हैं।

स्वास्थ्य पर असर चिंताजनक-रिपोर्ट के मुताबिक वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य पर असर चिंताजनक बनी हुई है। ये रिपोर्ट कोविड-19 लॉकडाउन से वायु गुणवत्ता पर पड़ने वाले प्रभावों को भी दर्ज करती है। इसलिए पिछले साल जो प्रदूषण में जो कमी आई है उसका मुख्य कारण लॉकडाउन होना रहा है।

प्रदूषण का मुख्य स्त्रोत-

भारत में होने वाले प्रदूषण के मुख्य स्त्रोतों में यातायात, रसोई के लिए बायोगैस का इस्तेमाल, बिजली उत्पादन, उद्योग निर्माण, कचरा जलाना और सालाना पराली जलाना बताया गया है। भारत के तेजी से बढ़ते पीएम 2.5 के उत्सर्जन के कारणों में यातायात का एक बड़ा योगदान है।

लॉकडाउन के चलते कई शहरों में प्रदूषण कम हुआ-भारत के संदर्भ में ग्रीनपीस इंडिया के क्लाइमेट कैंपेनर अविनाश चंचल ने कहा कि लॉकडाउन की वजह से भले ही दिल्ली समेत कई शहरों में प्रदूषण कम हुआ है पर वायु प्रदूषण का अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव भयावह है। बेहतर यही होगा कि सरकार सतत और स्वच्छ ऊर्जा को प्राथमिकता दे। साथ ही यातायात के लिए सस्ते, सुचारु और कार्बन न्यूट्रल विकल्पों को बढ़ावा दे जैसे कि पैदल चलना, साइकिलिंग और समावेशी सार्वजनिक यातायात को बढ़ावा दिया जाए।

30 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में 22 भारत के

विश्व के 30 सर्वाधक प्रदूषित शहरों की सूची में भारत के 22 शहर शामिल हैं। इसमें गाजियाबाद, बुलंदशहर, बिसरख, भिवाड़ी, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, कानपुर, लखनऊ, दिल्ली, फरीदाबाद, मेरठ, जींद, हिसार, आगरा, बहावलपुर, मुजफ्फरनगर, फतेहाबाद, बंधवाड़ी, गुरुग्राम, यमुनानगर रोहतक, मुजफ्फरपुर शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

रेल मंत्री का आश्वासन

जिस वक्त देश के दस लाख से अधिक बैंककर्मी सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बैंकों के निजीकरण की सरकारी घोषणा के खिलाफ हड़ताल पर थे, ठीक उसी समय रेल मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में कल कहा कि भारतीय रेल का कभी निजीकरण नहीं होगा और यह हमेशा भारत सरकार के ही हाथों में रहेगी। रेल मंत्री के इस आश्वासन के निहितार्थ समझे जा सकते हैं। अलबत्ता, उन्होंने रेलवे में तेज सुधार के लिए पूंजीगत जरूरतों की खातिर निवेश को आकर्षित करने की बात भी कही। इसमें कोई दोराय नहीं कि पिछली कई सरकारें निजी-सार्वजनिक भागीदारी के जरिए भारतीय रेलवे के विकास को गति देने की कोशिशें करती रही हैं और स्टेशनों की साफ-सफाई से लेकर पेंट्री कार की सेवाओं तक में उन प्रयासों का फर्क भी दिखा है। पर इन दिनों सरकारी संस्थाओं के विनिवेश से जुड़ी जो सबसे बड़ी चिंता कर्मचारियों को है, वह उनकी नौकरी के भविष्य से जुड़ी है। साफ है, सरकार उन्हें आश्वस्त करने में विफल रही है कि इस कवायद में उनके हितों को लेकर पर्याप्त 'सेफगार्ड' रखे जाएंगे। भारतीय रेलवे न सिर्फ देश में सबसे अधिक रोजगार मुहैया कराने वाले सरकारी संगठनों में से एक है, बल्कि यह देश के गरीब-गुरबों की भी सवारी है। यही वजह है कि पिछले कुछ दशकों में यह विभाग राजनीतिक वर्ग के लिए अपनी लोकप्रियता बढ़ाने का माध्यम बनकर रह गया। लोक-लुभावन बजटों में इसके तकनीकी विकास और इसकी पेशेवर जरूरतें हाशिए पर जाती रहीं। मगर सरकार अब इसके आधुनिकीकरण और तकनीकी तरक्की के प्रति प्रतिबद्ध दिख रही है, तो इसके लिए लाजिमी तौर पर उसे भारी आर्थिक संसाधनों की जरूरत होगी। अच्छी बात यह है कि भारतीय रेलवे के पास देश भर में भारी अचल संपत्ति है और सरकार उनके कुशल प्रबंधन से काफी संसाधन जुटा भी सकती है। लेकिन रह-रहकर रेलवे के निजीकरण की बात जनता में लौटती है, तो उसकी वजह यही है कि सरकार की तरफ से विगत समय में ऐसे प्रयोग हुए हैं, जो निजी क्षेत्र की ऐसी सहभागिता को प्रोत्साहित करते दिखे, जिनकी वजह से किराये में भारी बढ़ोतरी की आशंका भी साथ-साथ आई। रेलवे की आमदनी में कमी की एक वजह यह भी है कि देश में राजमार्गों के बेहतर होने से माल की ढुलाई ट्रकों व दूसरे भारी वाहनों के जरिए काफी होने लगी है। फिर पिछले एक साल में कोरोना के कारण सीमित परिचालन से रेलवे को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। महकमे पर आर्थिक दबाव कितना है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि स्टेशनों पर भीड़ को हतोत्साहित करने की आड़ में प्लेटफॉर्म टिकटों के दाम काफी बढ़ा दिए गए हैं। यात्री किराये में बढ़ोतरी के अलावा टिकट रद्द कराने की सूरत में भी मुसाफिरों को अपनी जेब अब ज्यादा ढीली करनी पड़ रही है। ऐसे में, जब निजीकरण की कोई बात उठती है, तो आम आदमी को यही लगता है कि उसके कंधे पर बोझ और बढ़ जाएगा। आमदनी घटने का दबाव नागरिकों पर भी है और एक लोक-कल्याणकारी राज्य में सब कुछ निजी क्षेत्र के हवाले नहीं किया जा सकता। तब तो और, जब सामाजिक सुरक्षा के उपायों की भारी कमी हो। अत- रेलवे की देखभाल तो सरकार को ही करनी होगी। लोक-कल्याणकारी नजरिए से, पेशेवर प्रबंधन के साथ।

आज के ट्वीट

कदम

हमें कोरोना की इस उभरती हुई 'सेकंड पीक' को तुरंत रोकना होगा। इसके लिए हमें Quick और Decisive कदम उठाने होंगे:

-- पीएम

संक्रमित जानवरों के लिए भी वैक्सीन

मुकुल व्यास

कोरोना वायरस से बचने के लिए अब जानवरों को भी वैक्सीन लगाई जा रही है। अमेरिका के सेन डिएगो चिड़ियाघर में कुछ गोरिल्लाओं के पॉजिटिव होने के बाद अनेक बड़े वानरों को वैक्सीन लगाई गई है। इनमें ओरांगुटान और बोनोबो वानर शामिल हैं। इन्हें वैक्सीन लगाने का काम जनवरी में शुरू हुआ था जो इस महीने भी जारी रहा। इन जानवरों को तीन हफ्ते बाद दूसरी डोज दी गई। टीके लगवाने वाले सभी जानवर स्वस्थ हैं और उनमें अभी तक वैक्सीन का कोई दुष्प्रभाव नहीं दिखा है। जिन वानरों को वैक्सीन लगाई गई है, उनमें करेन नामक ओरांगुटान शामिल है जो 1994 में ओपन हार्ट सर्जरी करवाने वाला दुनिया का पहला वानर बना था। इन वानरों को एक प्रायोगिक वैक्सीन लगाई गई है, जिसे जोएटिस नामक कंपनी ने जानवरों के लिए खासतौर से विकसित किया है। गोरिल्लाओं के कोरोना से संक्रमित होने के बाद दुर्लभ जीव-जंतुओं के संरक्षण के लिए सक्रिय लोगों में बड़ी चिंता उत्पन्न हो गई है। गोरिल्ला जैसे बड़े वानर भी दुर्लभ जानवरों की श्रेणी में आते हैं। वायरस के मामले दूसरे चिड़ियाघरों में भी देखे गए हैं। पिछले साल न्यूयॉर्क के ब्रोंक्स चिड़ियाघर और स्पेन के बार्सिलोना चिड़ियाघर में शेर संक्रमित हो गए थे। इनके अलावा विश्व भर में दूसरे जानवरों में कोविड-19 के संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। इनमें कुत्ते, बिल्लियां, फेरेट और मिंक शामिल हैं। हांगकांग में एक कुत्ते के कोविड पॉजिटिव होने के बाद जोएटिस ने पिछले साल फरवरी में कुत्तों और बिल्लियों के लिए वैक्सीन बनाने का काम शुरू कर दिया था। कंपनी ने पिछले साल अक्तूबर में कहा था कि यह वैक्सीन कुत्तों और बिल्लियों के लिए सेफ है लेकिन इस साल फरवरी तक इसे किसी और जानवर पर नहीं आजमाया गया था। सेन डिएगो चिड़ियाघर की एक अधिकारी नडिन लेमब्रस्की के अनुसार आमतौर पर कुत्तों और बिल्लियों के लिए तैयार वैक्सीन शेरों और बाघों को ही लगाई जाती है लेकिन गोरिल्ला जैसे बड़े वानरों के समक्ष वायरस से उत्पन्न खतरे को देखते हुए उन्हें टीका लगाने का जोखिम उठाना जरूरी था। मनुष्यों से जानवरों में संक्रमण पहुंचना बहुत ही चिंताजनक बात है। ध्यान रहे कि जानवरों और मनुष्यों के बीच होने वाली बीमारी को 'जूनॉटिक' रोग कहा जाता है। इस तरह की बीमारी बैक्टीरिया, परजीवियों, फफूंदी और वायरस द्वारा फैलाई जा सकती है। जानवरों द्वारा उत्पन्न कुछ बीमारियां आसानी से मनुष्यों में पहुंच सकती हैं क्योंकि स्तनपायी जीवों की जैविक बनावट बहुत कुछ मनुष्यों जैसी होती है। संक्रमण मनुष्य से जानवरों में भी पहुंच सकता है। यदि मनुष्य और जानवर काफी लंबे समय तक साथ रहते हैं तो उनमें रोग का हस्तांतरण ज्यादा आसान हो जाता है। मनुष्यों की तरह दूसरे स्तनपायी जीवों में भी कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा रहता है। चीनी रिसर्चरों ने एक नये अध्ययन में कहा है कि अनेक स्तनपायी जीव कोरोना वायरस की चपेट में आ सकते हैं। उन्होंने प्रयोगशाला में उन जानवरों की कोशिकाओं का विश्लेषण किया जिनमें 'एसीई 2 रिसेप्टर' मौजूद हैं। ध्यान रहे कि ये रिसेप्टर वायरस का रास्ता सुगम बनाते हैं। इनका आकार कोरोना वायरस की बाहरी सतह से मेल खाता है, जिसकी वजह से वायरस को रक्तधारा में दाखिल होने का द्वार मिल जाता है। रिसर्चरों ने पता लगाया कि मनुष्य के अलावा स्तनपायी जीवों की 44 प्रजातियों में एसीई रिसेप्टर मौजूद हैं। इनमें मवेशी, पालतू जानवर और चिड़ियाघरों और मछलीघरों में मौजूद जानवर शामिल हैं। इन जीवों में गोरिल्ला, डॉल्फिन स्पर्म वेल, गैंडे, घोड़े, बिल्लियां, बकरियां, पांडा और तेंदुए जैसे जानवरों का उल्लेख खासतौर से किया जा सकता है। इस अध्ययन से पता चलता है कि वायरस की मौजूदगी अनुमानों से कहीं ज्यादा व्यापक है। अध्ययन के लेखकों का कहना है कि सार्स-कोव-2 में अनेक स्तनपायी जीवों को संक्रमित करने की क्षमता है। इन प्रजातियों में मनुष्यों से सार्स-कोव-2 का संक्रमण हो सकता है। इसी तरह का संक्रमण जानवरों में आपस में भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह अध्ययन भविष्य में होने वाली महामारियों के निवारण के लिए जरूरी कदम उठाने में सहायक होगा। यदि भविष्य में हमें वायरस के ऐसे प्रकोप रोकने हैं तो हमें सबसे पहले वन्य जीव-जंतुओं के अवैध व्यापार और उनके उपभोग पर प्रतिबंध लगाना होगा। इसके अलावा मनुष्य के संपर्क में आने वाले जानवरों पर लगातार चौकसी रखनी पड़ेगी क्योंकि ये जानवर वायरसों के वाहक हो सकते हैं। चमगादड़ों को कोरोना वायरसों का कुदरती वाहक समझा जाता है। विशेषज्ञों ने चेताया है कि है कि हम अभी तक उन 'बिचौलिये' जानवरों के बारे में नहीं जानते जो वायरस के मूल वाहकों से वायरस को मनुष्यों में पहुंचाते हैं। रिसर्चरों ने अपने अध्ययन में पाया कि पांच जानवर ऐसे हैं, जिनमें एसीई 2 रिसेप्टर नहीं पाए जाते। इनमें चूहे, कोआला और स्क्विरल मंकी शामिल हैं। रिसर्चरों का कहना है कि उनका अध्ययन प्रयोगशाला में सेल कल्चर पर आधारित हैं। यह वास्तविक प्रयोगों पर आधारित नहीं है लेकिन पीनास पत्रिका में प्रकाशित उनके निष्कर्ष हाल में की गई इस खोज के अनुरूप हैं कि कुत्ते, बिल्लियां और कुछ बंदर वायरस की गिरफ्त में आ सकते हैं। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) के रिसर्चर पहले ही यह पता लगा चुके हैं कि चिड़ियाघरों और फार्म में रहने वाले जानवर कोरोना वायरस से संक्रमित हो सकते हैं। उन्होंने अपने अध्ययन में 28 प्रजातियों की पहचान की है जो सार्स-कोव-2 की चपेट में आ सकते हैं। इनमें गिलहरी, गाय, भेड़, गधे, ध्रुवीय भालू और पांडा शामिल हैं। पिछले महीने ब्रिटिश रिसर्चरों ने चेतावनी दी थी कि ब्रिटेन के बाग-बगीचों में पाए जाने वाले खरगोशों, कांटेदार जंगली चूहों और बिल्लियों में कोरोना वायरस की नयी किस्मों (स्ट्रेन) धारण करने की क्षमता है। पिछले साल प्रकाशित एक अध्ययन में कहा गया था कि व्हेल और डॉल्फिन जैसे समुद्री जीव मानव अपशिष्ट जल से कोरोना वायरस की चपेट में आ सकते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल की रिसर्च टीम ने एआई मॉडल के जरिए यह दर्शाया कि कोरोना वायरसों की 411 किस्मों का स्तनपायी जीवों की 876 प्रजातियों के साथ संबंध हो सकता है। जब वायरस की दो किस्में एक ही जानवर को संक्रमित करती हैं तो उनकी आनुवंशिक सामग्री आपस में मिलती है। इससे एक नया कोरोना वायरस उत्पन्न हो सकता है। इस समय दुनिया में फैला सार्स-कोव-2 भी कोरोना वायरसों की किस्मों का मिश्रण ही लगता है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

नैतिक क्रांति

श्रीराम शर्मा आचार्य

आज की सुविधा, संपन्नता की प्राचीनकाल से तुलना की जाए और मनुष्य के सुख-संतोष को भी दृष्टिगत रखा जाए तो पिछले जमाने की असुविधा भरी परिस्थितियों में रहने वाले व्यक्ति अधिक सुखी और संतुष्ट जान पड़ेंगे। इन पंक्तियों में भौतिक प्रगति तथा साधन-सुविधाओं की अभिवृद्धि को व्यर्थ नहीं बताया जा रहा है, न उनकी निन्दा की जा रही है। कहने का आशय इतना भर है कि परिस्थितियां कितनी भी अच्छी और अनुकूल क्यों न हों, यदि मनुष्य के आंतरिक स्तर में कोई भी सुधार नहीं हुआ है तो सुख-शांति किसी भी उपाय से प्राप्त नहीं की जा सकती है। सर्वतोमुखी पतन और पराभव के इस संकट का निराकरण करने के लिए एक ही उपाय कारगर हो सकता है। वह है व्यक्ति और समाज का भावनात्मक परिष्कार। भावना स्तर में अवांछनीयताओं के घुस पड़ने से ही तमाम समस्याएं उत्पन्न हुई हैं, इन समस्याओं का यदि समाधान करना है तो सुधार की प्रक्रिया भी वहीं से प्रारम्भ करनी पड़ेगी, जहां से ये विभीषिकाएं उत्पन्न हुई हैं। अमुक-अमुक समाधान-सामयिक उपचार तो हो सकता है, पर चिरस्थाई समाधान के लिए आधार को ही ठीक करना पड़ता है। अधर्म का आचरण करने वाले असंयमी, पापी, स्वार्थी, कपटी, धूर्त और दुराचारी लोग शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य एवं धन-संपत्ति, यश-वैभव आदि सबकुछ खो बैठते हैं। उन्हें बाह्य जगत में घृणा और तिरस्कार तथा अंतरात्मा में धिक्कार ही उपलब्ध होते हैं। ऐसे लोग भले ही उपभोग के कुछ साधन इकट्ठे कर लें, पर उनका रोम-रोम अशांत रहता है। यदि वे कुछ पा भी लेते हैं तो उपभोग के पश्चात उनके लिए विषतुल्य-दुखदायक ही सिद्ध होता है। आत्मशान्ति पाने, सुसंयमित जीवन व्यतीत करने वाले मनुष्य को धर्ममय जीवनक्रम अपनाने के लिए तत्पर होना पड़ता है। नैतिकता, मानवता एवं कर्तव्यपरायणता को ही अपने जीवन में समाविष्ट करना होता है। इस प्रवृत्ति का व्यापक प्रसार करने के लिए किए गए प्रयत्नों को नैतिक क्रांति की संज्ञा दी जाती है। बुद्ध धर्म के प्रथम मंत्र 'धम्मं शरणं गच्छामि' में इसी नैतिक क्रान्ति की चिनगारी निहित है, इस मंत्र को लोकव्यापी बनाने के लिए जो प्रयत्न बौद्ध धर्मावलम्बियों ने किया था, उसे विशुद्ध नैतिक क्रान्ति ही कहा जएगा।

जनता के हिस्से वाले अमृत की तलाश

लक्ष्मीकांता चावला

भारत अपनी स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी शुरू कर चुका है। इसे 'अमृत महोत्सव' का नाम दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने दांडी मार्च की वर्षगांठ के साथ ही इसका प्रारंभ किया। आमजन 75वीं वर्षगांठ को हीरक जयंती और अंग्रेजी वाले डायमंड जुबली कहते हैं, पर भारतीय जीवन में इसे अमृत महोत्सव कहा जाता है। सच तो यह है कि स्वतंत्रता ही देशवासियों के लिए सबसे बड़ा अमृत है। इस अमृत को प्राप्त करने के लिए ही देश के लाखों बेटे-बेटियों ने बलिदान दिए। अफसोसनाक बात यह है कि जिस दिन अमृत महोत्सव का श्रीगणेश हो रहा था, उसी दिन सागर से निकले हलाहल विष से भी बुरा समाचार मिला। इंटरनेशनल ट्रांसपेरेंसी संस्था ने जो सर्वेक्षण किया है, उसमें भारत को दुनिया के सबसे भ्रष्ट दस देशों में रखा है। यानी हम भ्रष्ट हो गए। यह सत्य है कि जब राजनीति भ्रष्ट होती है तो फिर अमरबेल गांव-गांव, गली-गली तक पहुंचकर वातावरण को जहरीला कर देती है। सागर मंथन की कथा भी देशवासियों को याद होगी। राक्षसों और देवताओं ने सागर मंथन किया। विष प्रकट हुआ सागर से। कोई भी उसे लेने को तैयार नहीं था। भगवान शंकर ही विष पीकर शिव बन गए। फिर मिल गया अमृत। यहां बड़ा गंभीर प्रश्न है, एक अमृत सागर मंथन से मिला, एक अमृत स्वतंत्रता के साथ देशवासियों को मिलना था, पर ऐसा लगता है कि वह अमृत आमजन को पूरी तरह नहीं मिला। ऐसा महसूस होता है कि स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर आयोजित उत्सवों का नाम महोत्सव तो होना चाहिए, अमृत तो उससे बहुत पहले कहीं चला गया। भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, रामप्रसाद बिस्मिल, लाहिड़ी, अशफाक और चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस आदि ने जिस अमृत को सुरक्षित भारत की भावी पीढ़ियों के लिए रखा था, वह तो रास्ते में बंट गया। सागर मंथन का अमृत तो केवल चार स्थानों पर गिरा, जो पवित्र तीर्थ बन गए, पर आजादी का अमृत जनता के हाथ नहीं आया, बंट गया। भ्रष्टाचार का विष पीते-पीते भारत की जनता बेहाल हो गई। हजारों लोग बेकसूर जेलों में पड़े हैं। रोटी के लिए, रोजगार के लिए तरसते हैं। उपचार के लिए अस्पतालों के धक्के खाते हैं। आयुष्मान जैसी योजना भी भारत में भ्रष्टाचार की शिकार हो गई। अमृत वहां बरस गया जहां माननीय बनकर लोकतंत्र की प्रक्रिया का सुंदर अभिनय करते सत्ता के शिखरों पर पहुंच गए। अमृत तो कुछ राजभवनों में बंट गया। कुछ सत्तापतियों के सात पीढ़ियों के लिए सुरक्षित हो गया।सागर मंथन से निकले जहर के प्रभाव से जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। हाथों के लिए काम और काम के पूरे दाम मांगने के लिए सड़क पर जाती है। पूरे देश के चौक-चौराहों में देश की जवानी, बचपन और अधेड़ एक दिन का काम पाने के लिए खड़े रहते हैं। आधा-अधूरा पेट भरने के लिए कुछ लोगों को साधन मिल जाते हैं, शेष फिर अगले दिन की आशा में जो रूखी-सूखी रोटी लेकर आए थे, उसी के सहारे वापस लौट जाते हैं। सवाल यह है कि आजादी का अमृत कहां गया? जिस देश के न्यायालयों में न्यायाधीश ही पूरे नहीं, जिला अदालतों में जज पूरे नहीं, करोड़ों केस अदालतों में लंबित हैं और हैरानगी यह कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर भी प्रश्न उठने लगे हैं। देश के एक दर्जन से ज्यादा न्यायाधीश सेवानिवृत्त होते ही राज्यसभा में या उच्च पदों पर पहुंच जाते हैं, जो कई सवालों को जन्म देता है। जो आईएएस और आईपीएस अधिकारी लाभ के पदों पर विराजमान हैं, क्या यह आशा रखी जाए कि उन्होंने अपने कार्यकाल में जनता से न्याय किया होगा?स्वप्न था स्वतंत्रता सेनानियों का कि अंग्रेजी शासन से मुक्त होने के बाद मानव को मानव समझा जाएगा। सीधी बात यह है कि जैसे आजादी 75 वर्ष की हो रही है, हमारा स्वतंत्रता का अमृत कुछ दायरों में सीमित हो गया। कुछ घरानों की बपौती बन गया। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि मुझे शिकायत अपराधियों से नहीं, उन शरीफों से है जो अपराध देखकर भी खामोश रहते हैं। फिर वही सवाल कि अभी तो 75 वर्ष पूरे नहीं हुए, कुछ सप्ताह शेष हैं। अभी से हम दुनिया के महाभ्रष्ट दस देशों में पहुंच गए, कल क्या होगा? सरकार से, देश के बुद्धिजीवियों से, राज्य सरकारों से, राजनेताओं से एक ही निवेदन है कि स्वतंत्रता की वर्षगांठ के उत्सवों को महोत्सव कह दें, महामहोत्सव कह दें, पर अमृत तो वे ले गए, जिनका काम सबके लिए अमृत बांटना था, भगवान विष्णु की तरह, लेकिन विष जनता को दे दिया। स्वतंत्र भारत में भ्रष्टाचार का विष बुरी तरह काटने, घायल करने और लूटने के लिए आम लोगों के लिए खुला छोड़ दिया, निरंकुश, निर्लज्ज, घातक भ्रष्टाचार।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखत व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 72.55 रुपये पर लगभग अपरिवर्तित रहा

मुंबई, घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली दबाव के कारण निवेशकों की कारोबारी धारणा प्रभावित होने से विदेशी विनिमय बाजार में बुधवार को रुपया 72.55 (अनंतिम) के स्तर पर लगभग पिछले स्तर पर बना रहा। बाजार के कारोबारियों ने कहा कि शेयर बाजार में गिरावट तथा विश्व की प्रमुख मुद्राओं के समक्ष डालर में मजबूती से रुपये पर दबाव बना रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया, अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 72.56 पर लगभग अपरिवर्तित रुख के साथ खुला और दिन के कारोबार के दौरान 72.51 के ऊपरी स्तर और 72.62 के निचले स्तर तक गई। अंत में रुपया 72.55 प्रति डॉलर पर लगभग पिछले दिन के बंद के स्तर पर टिका। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत बढ़कर 91.91 पर पहुंच गया। वैश्विक जिंस बाजार में ब्रेंट क्रूड वायदा 0.82 प्रतिशत गिरकर 67.83 डालर प्रति बैरल रह गया। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक 562.34 अंकों की गिरावट के साथ 49,801.62 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल रहे और उन्होंने मंगलवार को शुद्ध रूप से 1,692.31 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

देशभर में चीनी का उत्पादन 258.68 लाख टन, महाराष्ट्र में 68 फीसदी इजाफा

नई दिल्ली। देशभर में चीनी का उत्पादन चालू सीजन में 258.68 लाख टन हो चुका है, जो पिछले साल के मुकाबले करीब 20 फीसदी ज्यादा है जबकि 300 से अधिक मिलें अभी चालू हैं। महाराष्ट्र में इस साल चीनी के उत्पादन में जोरदार इजाफा हुआ है।निजी चीनी मिलों के शीर्ष संगठन इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में चालू गन्ना पेराई सीजन 2020-21 (अक्टूबर-सितंबर) के दौरान 15 मार्च तक 94.05 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका था, जो पिछले साल की समान अवधि के 55.85 लाख टन से 68.39 फीसदी अधिक है। चालू सीजन में पूरे देश में 502 मिलों में उत्पादन शुरू हुआ और 15 मार्च तक चीनी का कुल उत्पादन 258.68 लाख टन हुआ, जो पिछले सीजन की समान अवधि के 216.13 लाख टन से 19.68 फीसदी ज्यादा है। पूरे देश में 171 चीनी मिलों में उत्पादन चालू सीजन में बंद हो चुका है, जबकि 331 मिलें 15 मार्च तक चालू थीं। महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन में इजाफा हुआ है, लेकिन पिछले सीजन में देश में चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में चालू सीजन में चीनी का उत्पादन घट गया है। उत्तर प्रदेश में 15 मार्च तक चीनी का उत्पादन 84.25 लाख टन हुआ, जबकि पिछले सीजन की इसी अवधि के दौरान 87.16 लाख टन हुआ था। देश के तीसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य कर्नाटक की मिलों ने अब तक 41.35 लाख टन चीनी का उत्पादन किया है, जबकि पिछले साल 15 मार्च तक 33.35 लाख टन हुआ था। इस्मा ने कर्नाटक में जुलाई-सितंबर के विशेष पेराई सत्र को देखते हुए चीनी का कुल उत्पादन 42.5 लाख टन होने की उम्मीद है। गुजरात में इस साल अब तक 8.49 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है, जबकि तमिलनाडु में 4.01 लाख टन। वहीं, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, बिहार, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और ओडिशा को मिलाकर कुल चीनी उत्पादन 26.53 लाख टन हुआ है। इस्मा ने बताया कि चालू सीजन के लिए एमएईक्य (अधिकतम स्वीकार्य निर्यात कोटा) स्कीम के तहत चीनी निर्यात का तय कोटा 60 लाख टन में से 43 लाख टन निर्यात के सौदे हो चुके हैं।

जारी रहेगी गैलेक्सी नोट सीरीज : सैमसंग

सियोल।

सैमसंग के मोबाइल बिजनेस प्रमुख ने बुधवार को कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी स्मार्टफोन निर्माता कंपनी सैमसंग अपनी गैलेक्सी नोट स्मार्टफोन सीरीज को नहीं छोड़ेगी। उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि हो सकता है कि इस साल इस सीरीज के तहत नए मॉडल जारी न किए जाएं। हाल के महीनों के दौरान ऐसी अफवाहें उठी हैं कि सैमसंग अपने गैलेक्सी नोट फैमिली को आगे बढ़ाने के बजाय गैलेक्सी जेड फोल्डेबल और गैलेक्सी एस डिवाइस के साथ अपने प्रीमियम स्मार्टफोन लाइनअप को फिर से रि-कॉन्फिगर कर सकता है। इस तरह की अटकलें जनवरी में सैमसंग द्वारा स्टाइलस को सपोर्ट करने वाले गैलेक्सी एस 21 स्मार्टफोन के हाई-एंड मॉडल को लॉन्च करने के बाद लगाई गई थीं। कंपनी के आईटी और मोबाइल कम्युनिकेशंस बिजनेस यूनिट के प्रमुख कोह डोंग-जिन ने कहा कि गैलेक्सी नोट सीरीज बरकरार रहेगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इस साल के बजाय नए फेब्लेट मॉडल अगले साल सामने आ सकते हैं। कोह ने सियोल से 46 किलोमीटर दक्षिण में स्थित सुवन में सैमसंग की वार्षिक शेयरहोल्डर मीटिंग में कहा, यह एक साल के भीतर एस-पेन को सपोर्ट करने वाले दो प्रमुख मॉडलों को जारी करने के लिए हमारे ऊपर बहुत दबाव हो सकता है, इसलिए साल की दूसरी छमाही के दौरान नई गैलेक्सी नोट सीरीज का शुभारंभ नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा, अगले साल, गैलेक्सी नोट की लॉन्च अवधि अतीत की तुलना में भिन्न हो सकती है, लेकिन हम सीरीज को जारी रखने की कोशिश कर रहे हैं। गैलेक्सी नोट सीरीज हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कैटेगरी है। सैमसंग, जिसने पहली बार 2011 में गैलेक्सी नोट सीरीज शुरू की थी, साल की दूसरी छमाही में नए गैलेक्सी नोट मॉडल लॉन्च कर रहा है। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कोह ने कहा कि सैमसंग चिप्स की आपूर्ति की कमी के कारण होने वाले किसी भी ऑपरेशन में बाधा से बचने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कह सकता कि हमने इस समय इस समस्या को 100 प्रतिशत हल कर लिया है। हम दूसरी तिमाही में दिक्कतों का सामना कर सकते हैं, लेकिन हर कोई समस्या को हल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है।उन्होंने कहा, हमने डिस्प्ले संबंधी दिक्कतों को कुछ हद तक हल कर दिया है, लेकिन फोल्डेबल स्मार्टफोन के संबंध में कंपोनेंट सेक्टर में भी वृद्धि की जरूरत है।

वैश्विक रुख को देखते हुए सोना कीमतों में 60 रुपये की तेजी

नयी दिल्ली,

डालर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में गिरावट और वैश्विक स्तर पर बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में मजबूती के समर्थन से दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 60 रुपये सुधर कर 44,519 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव पर पहुंच गया। यह जानकारी एचडीएफसी सिक्यूरिटीज ने दी। पिछला बंद भाव 44,459 रुपये प्रति 10 ग्राम था। इसके विपरीत, चांदी का भाव प्रति किलोग्राम 200 रुपये की गिरावट के साथ 66,536 रुपये प्रति किग्रा रह गया। पिछले दिन का बंद भाव 66,736 रुपये प्रति किलोग्राम था। एचडीएफसी सिक्यूरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस बाजार) तपन पटेल ने कहा, ' वैश्विक बाजार में सोने की कीमत में मजबूती तथा रुपये के मूल्य में गिरावट के कारण दिल्ली में 24 कैरट सोने के भाव में 60 रुपये की तेज रही।'' अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव लाभ के साथ 1,735 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी का भाव 26 डॉलर प्रति औंस पर लगभग स्थिर रहा। उन्होंने कहा, ''अमेरिकी फेडरल ओपेन मार्केट कम्रटी (एफओएमसी) की बैठक से पहले सप्ताह के दौरान तीसरे दिन भी सोने की कीमतों में तेजी रही।''

एआईपीईएफ ने प्रधानमंत्री से बिजली संशोधन विधेयक पर सभी पक्षों से परामर्श का आग्रह किया

नयी दिल्ली,

बिजली क्षेत्र में कार्यरत इंजीनियरों का संगठन एआईपीईएफ ने बुधवार को कहा कि उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बिजली (संशोधन) विधेयक 2021 पर सभी पक्षों से विचार-विमर्श करने का आग्रह किया है। एआईपीईएफ (ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन) के प्रवक्ता वी के गुप्ता ने एक बयान में आरोप लगाया, ''बिजली कानून 2003 में जो बदलाव के प्रस्ताव किये गये हैं, वे दूरगामी हैं। ऐसे में प्रमुख पक्षों को इस पर परामर्श से अलग रखना, चौंकाने वाला है। बिजली (संशोधन) विधेयक 2021 को पारित करने के लिये जो पूरा प्रयास किया जा रहा है, वह गैर-पारदर्शी, अलोकतांत्रिक और भेदभावपूर्ण है।'' इसीलिए एआईपीईएफ ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर कहा है कि बिजली उपभोक्ता, क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारी और इंजीनियर बिजली क्षेत्र में बड़े हितधारक हैं, ऐसे में संसद में बिजली (संशोधन) विधेयक पेश किए जाने से पहले, उस पर उनसे परामर्श किया जाना चाहिए। एआईपीईएफ के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि बिजली मंत्री ने आर के सिंह ने बिजली सचिवों और बिजली कंपनियों के प्रमुखों (चेयरमैन और प्रबंध निदेशक) से वीडियो कांफ्रेन्स के जरिये बिजली कानून 2003 में प्रस्तावित बदलाव पर विचार विमर्श किया। उसके बाद सभी राज्यों के नियामकों के साथ विधेयक के मसौदे के पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने इन बदलावों के संदर्भ में उद्योग संगठनों को संबोधित किया। फेडरेशन ने कहा कि अब यह खबर है कि विधेयक के मसौदे को विभिन्न मंत्रालयों को जारी किया गया है और उस पर विचार के लिये विधि मंत्रालय के पास भेजा गया है। संगठन इस बात से निराश है कि प्रस्तावित संशोधन के बारे में मंत्रालय ने ग्राहकों और बिजली क्षेत्र के कर्मचारियों से कोई बात नहीं की।

कमाई के मामले में गौतम अडानी ने जैक मा को पछाड़ा, संपत्ति में हुआ सबसे ज्यादा इजाफा

बिजनेस डेस्क:

अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी दुनिया के अरबपतियों की सूची में चीन के जैक मा से आगे निकल गए हैं। **Bloomberg Billionaires Inde&** के मुताबिक अडानी 50.9 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में अब 25वें स्थान पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ 17.1 अरब डॉलर बढ़ी है। चीन के जैक मा 50.2 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ 26वें स्थान पर आ गए हैं। इस साल जैक मा की नेटवर्थ 43.7 करोड़ डॉलर घटी है।

टॉप टेन में शामिल हुए अंबानी

देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एक बार फिर से दुनिया के टॉप 10 अमीरों की सूची में शामिल हो गए हैं। **Bloomberg Billionaires Inde&** के मुताबिक वह 81.8 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ 10वें स्थान पर है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 5.08 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। मुकेश अंबानी एशिया के सबसे अमीर शख्स हैं। रिलायंस का शेयर 16 सितंबर 2020 को 2369 रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था। तब रिलायंस का मार्केट कैप 16 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया था। इसके साथ ही अंबानी की नेटवर्थ 90 अरब डॉलर पहुंच गई थी और वह दुनिया के अमीरों की सूची में चौथे स्थान पर आ गए थे लेकिन इसके बाद रिलायंस के शेयरों में गिरावट आई।

बेजोस फिर बने सबसे बड़े रईस

Bloomberg Billionaires Inde& के मुताबिक अमेजॉन के जेफ बेजोस 182 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ एक फिर दुनिया के सबसे बड़े रईस बन गए हैं। दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क 175 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स (140 अरब डॉलर) तीसरे नंबर पर हैं। फ्रांसीसी बिजनसमैन और दुनिया की सबसे बड़ी लग्जरी गुड्स कंपनी **LVMH Moët Hennessy** के चेयरमैन ऑफ चीफ एग्जीक्यूटिव बर्नार्ड आरनॉल्ट (125 अरब डॉलर) इस लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं।

अमेरिका का दबदबा

अमेरिकन मीडिया के दिग्गज और फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग 106 अरब डॉलर की वेल्थ के साथ पांचवें स्थान पर हैं। जाने माने निवेशक वारेन बफे 96.4 अरब डॉलर की नेटवर्थ से साथ छठे, अमेरिकी कम्प्यूटर साइंटिस्ट और इंटरनेट उद्यमी लैरी पेज 96 अरब डॉलर के साथ सातवें, गूगल के को-फाउंडर सर्गेई बिन 92.8 अरब डॉलर के साथ आठवें, अमेरिकी बिजनसमैन और निवेशक स्टीव बाल्मर 85.8 अरब डॉलर नौवें स्थान पर हैं। दुनिया के टॉप टेन अमीरों में 8 अमेरिका के हैं।

बाजार में चौथे दिन गिरावट; सेंसेक्स 562 अंक लुढ़का, आरआईएल, बैंक शेयरों में गिरावट

मुंबई,

शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार चौथे दिन गिरावट रही और बिकवाली दबाव में बीएसई सेंसेक्स 562.34 अंक लुढ़क कर 49,801.62 अंक पर बंद हुआ। अमेरिकी केंद्रीय बैंक (फेडरल रिजर्व) की मौद्रिक नीति समीक्षा के परिणाम आने से पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक में गिरावट के साथ बाजार नीचे आया। कारोबारियों के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर स्थिर रहने और विभिन्न राज्यों में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए भी निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 562.34 अंक यानी 1.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 49,801.62 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 189.15 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 14,721.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में ओएनजीसी को सर्वाधिक करीब 4.95 प्रतिशत का नुकसान हुआ। एनटीपीसी, सन फार्मा, एसबीआई, इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज ऑटो और डा. रेड्डीज भी गिरावट में रहे। सेंसेक्स के केवल चार शेयर आईटीसी, इन्फोसिस, टीसीएस और एचडीएफसी....लाभ में रहे। इनमें 1.20 प्रतिशत की तेजी रही। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''भारती बाजार में गिरावट बनी रही क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक तथा कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के दाम में तेजी का भी घरेलू बाजार पर प्रभाव पड़ा है।'' उन्होंने कहा, ''वैश्विक बाजारों में भी शुरूआत अच्छी नहीं रही क्योंकि उन्हें फेडरल रिजर्व की बैठक के बुधवार को आने वाले नतीजे का इंतजार है। इस बात की

उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व उदार नीति को अपनाएगा जिससे वैश्विक बाजार को स्थिर होने में मदद मिलेगी।'' वैश्विक निवेशकों को अमेरिकी ट्रेजरी बिल पर प्रतिफल बढ़ने के बीच फेडरल रिजर्व की नीतिगत निर्णय का इंतजार है। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, तोक्यो और सोल में गिरावट रही जबकि हांगकांग बाजार बढ़त में रहा। भारतीय समयानुसार दोपहर बाद खुले यूरोप के प्रमुख बाजारों में प्रारंभ में गिरावट का रुख रहा। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ 67.78 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 72.55 पर स्थिर बंद हुआ। शेयर बाजार के पास उपलब्ध आंकड़े के अनुसार पूंजी बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशक शुद्ध लिवाल रहे। उन्होंने मंगलवार को 1,692.31 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

ट्विटर हैकिंग के दोषी किशोर मास्टरमाइंड क्लार्क को भेजा जेल

सैन फ्रांसिस्को। पिछले साल जुलाई में अभूतपूर्व ट्विटर हैकिंग मामले में दोषी पाए गए किशोर (टीनेजर) ग्राहम इवान क्लार्क को तीन साल के लिए जेल भेज दिया गया है।क्लार्क पिछले साल बड़े पैमाने पर हुई उस ट्विटर हैकिंग से जुड़ा है, जिसमें बड़े उद्योगपति एलन मस्क, बिल गेट्स, जेफ बेजोस के अलावा पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन सहित अन्य कई बड़ी हस्तियों के ट्विटर अकाउंट हैक कर लिए गए थे। हाई-प्रोफाइल अकाउंट्स के साथ छेड़खानी के दोषी ठहराए गए क्लार्क को उसकी याचिका डील के तहत तीन साल जेल की सजा सुनाई गई है।द टैम्पा बे टाइम्स के अनुसार, किशोर ने सेलिब्रिटी अकाउंट्स को अपने कंट्रोल में ले लिया था। उसने बिटकॉइन में 100,000 डॉलर से अधिक हासिल करने के लिए इनका उपयोग किया।रिपोर्ट में कहा गया है, अभियोजकों के साथ एक समझौते में, क्लार्क ने तीन साल तक जेल में रखने में रखने और तीन साल की परिवीक्षा (परख अवधि) पर सहमति व्यक्त की है। क्लार्क उस समय 17 साल का था, जब उस पर ट्विटर हैकिंग के मास्टरमाइंड होने का आरोप लगा था।फिलहाल क्लार्क 18 साल का हो चुका है और उसे एक युवा अपराधी के तौर पर ही सजा सुनाई गई है।

2021 की पहली छमाही में NPA बढ़ाने का अनुमान: फिक्की-आईबीए सर्वेक्षण

मुंबई:

फिक्की-आईबीए के एक सर्वेक्षण के मुताबिक वर्ष 2021 की पहली छमाही में बैंकों की परिसंपत्तियों की गुणवत्ता बिगड़ सकती है, जिसमें 2020 की पहली छमाही में सुधार देखने को मिला था। बैंकों की सम्पत्ति की गुणवत्ता बिगड़ने का मतलब उनके द्वारा दिए गए कर्ज की वसूली में दिक्कत बढ़ने से है। जुलाई और दिसंबर 2020 के बीच बैंकर्स सर्वेक्षण के 12वें चक्र में यह बात बात सामने आई। सर्वेक्षण सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के 20 बैंकों में किया गया, सर्वेक्षण में विदेशी बैंक भी शामिल थे। सर्वेक्षण में करीब आधे प्रतिभागियों ने कहा कि 2020 की दूसरी छमाही में एनपीए घटा है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रतिभागियों में करीब 78 प्रतिशत से एनपीए में कमी की बात स्वीकार की। सर्वेक्षण में कहा गया है, ''हालांकि, भविष्य के पूर्वानुमान के लिहाज से 68 प्रतिशत प्रतिभागी बैंकरों ने कहा कि 2021 की पहली छमाही में एनपीए (कर्ज की कुल किस्तों में वसूली में फंसे घोषित कर्ज का अनुपात) 10 प्रतिशत से अधिक होगा। करीब 37 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि एनपीए 12 प्रतिशत से अधिक होगा। इस साल जनवरी में जारी भारतीय रिजर्व बैंक की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट से पता चला है कि सितंबर 2021 तक बैंकों की सकल गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) 13.5 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं।

गडकरी ने एक बार फिर इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल पर जोर दिया

बिजनेस डेस्क:

देश में पेट्रोल और डीजल की आसमान छूती कीमतों के बीच केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक बार फिर इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि तेल के भाव बढ़े हैं जिससे लोग त्रस्त हैं। दूसरी कड़वी सच्चाई यह भी है कि पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने के बाद भी ऑटोमोबाइल वालों का टर्नओवर कम नहीं हो रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाकर इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। गडकरी ने कहा, 'मैं पिछले 10-12 सालों से कह रहा हूं कि पेट्रोल-डीजल के बजाय एथनॉल यूज करो, इलेक्ट्रिक कार का यूज करो।

आज से दो साल के बाद पेट्रोलियम कार और बाइक की कीमत इलेक्ट्रिक कार और बाइक के बराबर होगी। जहां पहले 50 हजार रुपए का पेट्रोल लगता था वहां 2000 रुपए की बिजली लगेगी। और प्रदूषण भी नहीं होगा।' उल्लेखनीय है कि कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से देश के कई इलाकों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपए प्रति लीटर से अधिक हो गई है।

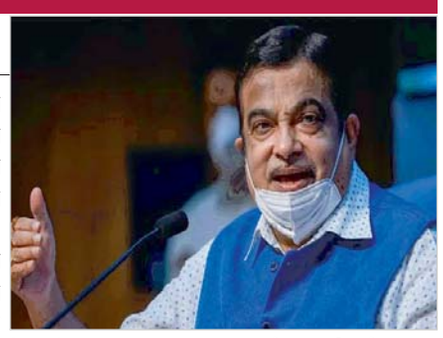

काम का श्रेय सभी को

अपने मंत्रालय के शानदार काम का श्रेय सभी को देते हुए उन्होंने कहा, 'जो काम हो रहा उसमें अकेले मेरा क्रेडिट नहीं है, इसमें मेरे सेक्रेटरी से लेकर विभाग के हर आदमी का योगदान है। मुंबई दिल्ली हाइवे पर हमने 2.5 किलोमीटर 4 लेन का कंक्रीट रोड 24 घंटे में बनाया है। मुझे लगता है कि ये रेकॉर्ड इसलिए बन रहे हैं क्योंकि हमारे अधिकारी और कॉन्ट्रैक्टर काम कर रहे हैं।' गडकरी ने कहा, 'पर कभी कभी मेरी भूमिका माता-पिता के जैसे होती है, जैसे वे कहते हैं कि 75 मार्क क्यों मिले, 85 क्यों नहीं मिले? मैं कहता हूं कि एक बार फाइनैंशल ऑडिट न हो चलेगा लेकिन परफॉर्मेंस ऑडिट होना चाहिए। परफॉर्मेंस ऑडिट में जहां कमियां लगती हैं जो काम नहीं करते हैं उन लोगों को मैं जरूर डांटता हूं। उसके पीछे मेरी भावना यही रहती है कि जल्द से जल्द काम हो।

आम्रपाली के 40 हजार खरीदारों को करना होगा यह काम, फिर मिलेगा फ्लैट

नई दिल्ली:

अगर आप आम्रपाली के खरीदार हैं और फ्लैट लेने के लिए इंतजार कर रहे हैं। तो आप ये लिस्ट चेक कर लें कि घर खरीदारों की लिस्ट में आपका नाम है या नहीं. बता दें आम्रपाली के 40 हजार खरीदारों की सूची में आपका भी नाम है तो यह खबर आपके लिए हैं लेकिन फ्लैट लेने के लिए आपको पहले कस्टमर डाटा भरना होगा। कस्टमर डाटा भरने का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने दिया है। अगर आपने कस्टमर डाटा नहीं भरा तो आपको फ्लैट मिलने में आपको परेशानी हो सकती है। कोर्ट के आदेश के बाद अभी तक सिर्फ 16 हजार खरीदारों ने ही डाटा भरा है। उसमें भी बहुत सारे ऐसे खरीदार हैं जिन्होंने डाटा में अधूरी जानकारी भरी है।

ऐसे तो फंस जाएंगे खरीदारों के फ्लैट

आम्रपाली फ्लैट में रहने वाले सैकड़ों लोग ऐसे है, जिनके पास उनके पुख्ता कागज नहीं है। अगर जांच की जाए तो यह खरीददार यह साबित नहीं कर पाएंगे कि यह फ्लैटस उनके है क्योंकि इनके पास आम्रपाली को पेमेंट करने का कोई पुख्ता सबूत है। ऐसे खरीदारों के लिए यह बात काफी खतरे की है, क्योंकि प्रॉपर्टी कभी भी फंस सकती है। ऐसे लोगों की अब लिस्ट तैयार की जा रही है।

ऐसे खरीदारों को होगी बड़ी परेशानी

बड़ी बात यह है कि इस समय आम्रपाली फ्लैट में रहने वाले लोगों ने अपना डाटा नहीं भरा है। कोर्ट के पास फ्लैट में रहने वाले लोगों का डाटा नहीं आया है। बताया जा रहा है कि डाटा भरने के साथ खरीददार को अपनी पेमेंट करने का कोई पुख्ता सबूत भी देना होगा लेकिन कुछ लोगों के पास पेमेंट करने का कोई पुख्ता सबूत भी नहीं है। जिसकी वजह से वो अपना डाटा नहीं भर रहे है। ऐसे लोगों को अपने वाले समय में परेशानी का सकती है।

जानकारों की मानें तो आम्रपाली फ्लैट में काफी सारे अफसरों और बड़े लोगों के रिश्तेदार रहते है। ज्यादातर लोग मौखिक हुए समझौत के अनुसार रह रहे हैं। अब यह लोग कैसे अपनी पेमेंट दिखाएंगे. क्योकि इन्होंने कोई रुपए नहीं दिए है।

ऐसे में इन लोगों की समस्या बढ़ गई है। अब कोर्ट ऐसे लोगों के फ्लैट की रजिस्ट्री का वेरिफिकेशन करने के लिए योजना बना रहे है।

दुनिया भर में टेलीकॉम कंपनियों को निशाना बना रहे चीनी हैकर्स

सैन फ्रांसिस्को।

एक चीनी हैकिंग समूह कथित तौर पर 5-जी टेक्नोलॉजी सीक्रेट्स के साथ ही अन्य संवेदनशील जानकारियों को चुराने की फिराक में दुनिया भर की दूरसंचार कंपनियों को निशाना बना रहा है। जेडडीनेट ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि दक्षिण पूर्व एशिया, यूरोप और अमेरिका में दूरसंचार प्रदाताओं को साइबर सुरक्षा कंपनी मैकेफी के शोधकर्ताओं द्वारा उजागर किए गए अभियान के हिस्से के रूप में लक्षित (टारगेट) किया जा रहा है। माना जा रहा है कि इस अभियान के तहत कम से कम 23 दूरसंचार कंपनियों को लक्षित किया गया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि इनमें से कितनी लक्षित कंपनियों को हैकिंग के जरिए नुकसान पहुंचा है। अभियान के पीछे समूह को ऑपरेशन डियानक्सुन करार दिया गया है। हमले में इस्तेमाल की जाने वाली रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाएं (टीटीपी) इससे पहले के अभियानों की तरह प्रतीत होती हैं और सार्वजनिक रूप से थ्रेट एक्टर्स (हैकिंग में महारत रखने वाले) को रेडडेल्टा और मस्टैंग पांडा के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। मैकेफी ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि संभवतः यह खतरा दूरसंचार उद्योग में काम करने वाले लोगों को लक्षित कर रहा है और जासूसी उद्देश्यों के लिए संवेदनशील डेटा तक पहुंचने और 5जी प्रौद्योगिकी से संबंधित कंपनियों की जासूसी करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। हालांकि इंफेक्शन के लिए प्रारंभिक वेक्टर पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। मैकेफी साइबरसिटी टीम का मानना है कि पीड़ितों को थ्रेट एक्टर्स के नियंत्रण वाले एक डोमेन के लिए लालच दिया गया था, जहां से वे मैलवेयर से संक्रमित थे, जिसमें थ्रेट एक्टर्स ने अतिरिक्त खोज और डेटा संग्रह करने के लिए लाभ उठाया था। मैकेफी में रीजनल सॉल्यूशंस आर्किटेक्ट एंड्रिया रॉसिनी ने एक बयान में कहा, हमारी यह धारणा है कि हमलावरों ने एक फिशिंग वेबसाइट का उपयोग हुआवे कंपनी कैरियर पेज के रूप में किया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

बीसीसीआई ने सत्र के सभी आयु वर्ग मुकाबले निलंबित किए

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सत्र के आयु वर्ग के मुकाबलों को निलंबित कर दिया है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई ने यह फैसला देश में बढ़ते कोरोना वायरस के मामले और 10वीं तथा 12वीं के छात्रों की बोर्ड परीक्षाओं को देखते हुए लिया है। बीसीसीआई ने कहा कि वह इन मैचों को जून-जुलाई में कराने की कोशिश करेगा। बीसीसीआई ने राज्य संघों को लिखे पत्र में कहा, राज्यों में स्थिति ठीक नहीं है और देश के कई हिस्सों में 10वीं और 12वीं की बोर्ड की परीक्षा है। यह जरूरी है कि हमारे युवा खिलाड़ी अपनी परीक्षा पर ध्यान केंद्रित करें। हमारे लिए खिलाड़ियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम आप सभी को आश्वासन देते हैं कि आईपीएल के बाद किसी भी उपलब्ध विंडो में हम आयु वर्गों के टूर्नामेंट कराएंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ बराबरी के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

अहमदाबाद।

टीम इंडिया गुरुवार को यहां मेहमान टीम इंग्लैंड के साथ होने वाले चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जीत के साथ ही सीरीज में बराबरी पर आना चाहेगी। भारतीय टीम इस सीरीज में अभी 2-1 से पीछे है। सीरीज के पहले मैच में इंग्लैंड ने जीत दर्ज की थी जबकि दूसरे मैच में जीत के साथ भारतीय टीम ने वापसी की पर तीसरे मैच में एक बार फिर बटलर की शानदार बल्लेबाजी के कारण मेहमान टीम ने जीत दर्ज की। ऐसे में अब भारतीय टीम को यह सीरीज बचाने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। भारतीय कप्तान विराट कोहली भी टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे क्योंकि इस साल घरेलू धरती पर होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए यह सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। भारत ने अब तक पहले बल्लेबाजी करते हुए जो दो मैच गंवाए हैं उसमें टीम को पावर प्ले में संघर्ष करना पड़ा है जिसके कारण टीम के अंतिम स्कोर पर असर पड़ा जबकि दोनों ही मैचों में एक बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और विराट कोहली ने अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं लोकेश राहुल की खराब फार्म से भी भारतीय टीम को नुकसान हुआ है, इसके बाद भी कप्तान विराट ने राहुल पर भरोसा जताया है और कहा है कि वह रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। ऐसे में सूर्यकुमार यादव को इस मैच में भी शायद ही जगह मिले। वहीं इंग्लैंड के मुख्य तेज गेंदबाजों मार्क वुड और जोफा आर्चर ने पहले छह ओवरों में भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशान किया है। ये दोनों विकेट से अतिरिक्त उछाल हासिल करके भारतीय बल्लेबाजों को परेशानी में डालने में सफल रहे हैं। तीसरे मैच के बाद कोहली के बयान पर गौर करें तो हार्दिक पंड्या और वाशिंगटन सुंदर के साथ टीम में एक अन्य ऑलराउंडर को जगह मिल सकती है और ऐसे में पदार्पण का इंतजार कर रहे राहुल तेवतिया और अक्षर पटेल में से किसी एक को जगह मिल सकती है। कोहली ने तीसरे मैच में 77 रन की धमाकेदार पारी खेलकर भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया पर गेंदबाजों के नाकाम रहने से टीम

को हार का सामना करना पड़ा। स्पिनर युजवेंद्र चहल की गेंदबाजी अच्छी नहीं रही और मेहमान टीम के बल्लेबाजों ने जमकर रन बटोरे। वहीं ऑलराउंडर के रूप में हार्दिक पंड्या की वापसी प्रभावी रही है लेकिन वह अब तक कोई विकेट नहीं ले पाए हैं। चोट के बाद वापसी करते हुए पहली श्रृंखला खेल रहे तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने किफायती गेंदबाजी की है लेकिन टीम को उनसे उम्मीद है कि वह नई गेंद से लगातार विकेट लें।

ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर ने सबसे अधिक प्रभावित किया है जिन्होंने 6.95 प्रति ओवर की प्रभावी इकोनॉमी रेट के साथ चार विकेट लिए हैं। भारतीय टीम में अंतिम एकादश में बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम इंग्लैंड भी अपनी जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। पिछले मैच में मिली जीत से टीम का मनोबल भी बढ़ है। उसके बल्लेबाज ओर गेंदबाज भी लय में हैं। जो बटलर ने पिछले मैच में शानदार बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। वहीं गेंदबाजी में आर्चर और वुड बेहतरीन फार्म में हैं। यह तीनों ही खिलाड़ी किसी भी टीम पर भारी पड़ सकते हैं।

महिला क्रिकेट : द. अफ्रीका ने भारत को हराकर 4-1 से जीती सीरीज

लखनऊ।

एने बोश (58) और मिगनोन डू प्रेज (57) की शानदार पारियों के दम पर दक्षिण अफ्रीका महिला टीम ने यहां भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए पांचवें वनडे मुकाबले में बुधवार को भारत को पांच विकेट से हराकर पांच मैचों की वनडे सीरीज 4-1 से जीत ली। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया। भारत ने कप्तान मिताली राज के 104 गेंदों पर आठ चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 79 रनों की पारी के दम पर 49.3 ओवर में नौ विकेट पर 188 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने बोश के 70 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 58 और डू प्रेज के 100 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 57 रनों की बदौलत 48.2 ओवर में पांच विकेट पर 189 रन बनाकर मैच जीत लिया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से मरिजाने काप 42 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 36 रन और नादिने डी क्लेर्क 39 गेंदों पर दो चौकों के सहारे 19 रन बनाकर नाबाद रहीं। भारत की तरफ से राजेश्वरी गायकवाड़ ने तीन विकेट, दयालत हेमलता ने एक और सी प्रत्युशा ने एक विकेट लिया। भारत की पारी में मिताली के अलावा हरमनप्रीत कौर ने 30, प्रिया पुनिया ने 18 और स्मृति मंधाना ने 18 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका की ओर से डी क्लेर्क ने तीन विकेट, नोंदुमिसो शंगासे ने दो, तुमि सेखुखुने ने दो और काप ने एक विकेट लिया।

ज्हान्वी ने महिला पेशेवर गोल्फ टूर में बढ़त बनाई

जयपुर। ज्हान्वी बख्शी ने बुधवार को यहां महिला पेशेवर गोल्फ टूर के छठे चरण के पहले दिन एक अंडर 69 के स्कोर के साथ बढ़त बनाई। ज्हान्वी ने दो बर्डी की लेकिन वह एक बोगी भी कर गई। उनकी छोटी बहन हिताशी एक ओवर 71 के स्कोर से त्वेसा मलिक और अमनदीप द्राल के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रही है। गौरी करहदे और रिद्धिमा दिलावरी 72 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं। श्वेता मानसिंह (74) सातवें जबकि छह खिलाड़ी संयुक्त आठवें स्थान पर हैं जिनमें सहर अटवाल, वाणी कपूर, अवनी प्रशांत, अनन्या दतार, नेहा त्रिपाठी और निशना पटेल शामिल हैं।

उम्मीद है कि भारत अन्य देशों के सामने उदाहरण पेश करेगा : एनआरएआई प्रमुख रनिंदर

नयी दिल्ली।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) अध्यक्ष रनिंदर सिंह ने बुधवार को कहा कि दिल्ली में होने वाला आगामी विश्व कप अन्य देशों के लिये उदाहरण पेश कर सकता है क्योंकि कोविड-19 महामारी के बीच भारत में ओलंपिक खेलों की पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है। टूर्नामेंट शनिवार से डा कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में शुरू हो रहा है। रनिंदर ने कहा- कोविड-19 महामारी के बाद यह भारत में पहली अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता है और हम अन्य देशों के लिये उदाहरण पेश कर सकते हैं जबकि वे यहां से सीख सकते हैं। उन्होंने कहा- पूरी ओलंपिक खेलों की दुनिया की निगाहें हम पर लगी होंगी, इसलिये हम पर बहुत अधिक जिम्मेदारी भी है।रनिंदर ने कहा- शुक्र है कि भारत सरकार, खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण सभी इस मुश्किल समय में हमारे साथ खड़े रहे और हर पहलू में एनआरएआई का पूरा समर्थन किया जिससे हमारा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया। उन्होंने कहा- हम उनके सहयोग के शुक्रगुजार हैं और उम्मीद करते हैं कि यह अन्य देशों के लिये उदाहरण पेश करेगा। टीम इंडिया का यह एकजुट प्रयास निश्चित रूप से सफल विश्व कप आयोजित करेगा। पिछले महीने एनआरएआई ने इस साल के पहले राइफल, पिस्टल और शॉटगन निशानेबाजों के लिये संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप के लिये 57 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की थी जिसमें तोक्यो ओलंपिक के लिये कोटा हासिल करने वाले 15 निशानेबाज भी शामिल हैं। पुरूष 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल निशानेबाज अनीश भानवाला हालांकि कोटा धारी नहीं है लेकिन अपनी ऊंची रैंकिंग की बदौलत उनके पास कट हासिल करने का मौका है। लेकिन टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक उन्हें निश्चित रूप से तोक्यो ओलंपिक का कोटा पक्का करवा देगा।

संक्षिप्त समाचार

बोपन्ना-कुरैशी दोबारा जोड़ी बनाने पर पहले मुकाबले में हारे

अकापुल्को। भारत के रोहन बोपन्ना और पाकिस्तान के ऐसाम उल हक कुरैशी को दोबारा जोड़ी बनाने के बाद बुधवार को यहां एटीपी 500 टेनिस प्रतियोगिता में अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा। ब्रूनो सोरेस और जेमी मरे की दूसरी वरीय जोड़ी का सामना कर रही भारत और पाकिस्तान की गैरवरीय जोड़ी को 12,04,960 डॉलर इनामी हार्ड कोर्ट प्रतियोगिता के पहले दौर में 7-6 2-6 1-10 से हार झेलनी पड़ी। पहला सेट जीतने के बाद बोपन्ना और कुरैशी ने दूसरा सेट गंवा दिया। टाईब्रेकर में 0-7 से पिछड़ने के बाद इस जोड़ी के वापसी के सभी दरवाजे बंद हो गए। बोपन्ना और कुरैशी पिछली बार 2014 में शेनझेन में एटीपी प्रतियोगिता में जोड़ी बनाकर खेले थे। दोनों खिलाड़ियों ने हालांकि साफ किया है कि वे सिर्फ इस टूर्नामेंट में साथ खेले हैं क्योंकि दोनों की कम संयुक्त रैंकिंग उन्हें बड़े टूर्नामेंटों में जगह नहीं दिला पाएगी।

अनिश्चित कोविड रिपोर्ट के कारण ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन की शुरुआत में विलंब

बर्मिंघम। योनेक्स ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप की शुरुआत में बुधवार को बड़ी संख्या में कोविड-19 परीक्षण के नतीजों की अनिर्णीत रिपोर्ट के कारण कुछ घंटों का विलंब हुआ। आयोजकों ने यह जानकारी दी। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) और बैडमिंटन इंग्लैंड के संयुक्त बयान के अनुसार कि पुष्टि कर सकते हैं कि योनेक्स आल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप 2021 में हिस्सा लेने वाली टीमों के बीच बड़ी संख्या में कोविड-19 परीक्षण नतीजों को 'अनिर्णीत माना गया और इसके बाद दोबारा नमूने लिए गए। उन्होंने कहा कि बीडब्ल्यूएफ साथ ही पुष्टि करता है कि मामूली संख्या में पॉजिटिव नतीजे भी आए और इंग्लैंड के जन स्वास्थ्य विभाग की सहमित से इन मामलों का पुनः परीक्षण किया गया। पुनः परीक्षण तक ये लोग पृथकवास में रहेंगे। बयान के अनुसार, नतीजतन यह टूर्नामेंट अब बुधवार 17 मार्च 2021 को ग्रीनविच मानक समय के अनुसार दोपहर दो बजे शुरू होगा। यह प्रतिष्ठित सुपर 1000 टूर्नामेंट पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ग्रीनविच मानक समय के तहत सुबह नौ बजे शुरू होना था।

बैडमिंटन - भारत के 4 सदस्य कोरोना संक्रमित, ऑल इंग्लैंड की शुरुआत में देरी

लंदन.

भारतीय टीम के तीन खिलाड़ी और एक स्टाफ सदस्य सहित कुछ अन्य लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं जिसके कारण ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के शुरु होने में कुछ देरी होगी। विश्व बैमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने बयान जारी कर बताया कि इस टूर्नामेंट को बुधवार को स्थानीय समयानुसार सुबह नौ बजे से शुरु होना था लेकिन कोरोना संक्रमित मामलों को देखते हुए इसे कुछ देरी से दोपहर दो बजे शुरु किया जाएगा। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, महासंघ और बैडमिंटन इंग्लैंड इस बात की पुष्टि करता है कि योनेक्स ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप 2021 में भाग लेने वाले प्रतियोगियों का कोरोना टेस्ट किया गया। उन्होंने कहा, बीडब्ल्यूएफ इस बात की भी पुष्टि करता है कि टेस्ट में कुछ लोगों के नतीजे पॉजिटिव आए हैं। लेकिन पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड के साथ सहमति के बाद हम इनके दोबारा टेस्ट कराएंगे। जब तक दोबारा टेस्टिंग नहीं हो जाती तब तक पॉजिटिव पाए गए लोग आईसोलेशन में रहेंगे। इसके कारण खेल को बुधवार को दो बजे शुरु किया जाएगा। भारत के युगल कोच माथिआस बोए ने कहा, हमारी टीम के तीन खिलाड़ी और एक सहायक स्टाफ कोरोना से

संक्रमित पाए गए हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा है कि ऐसा कैसे हो सकता है क्योंकि हम स्विस ओपन से पहले जुरिच में आईसोलेशन में थे। उन्होंने कहा, 14 दिनों के अंदर हमारे पांच बार टेस्ट किए गए और सभी के नतीजे नेगेटिव आए थे।

हम सिर्फ एक दूसरे से मिले तो यह कैसे संभव है कि इनके नतीजे पॉजिटिव पाए गए।

कोरोना टेस्टिंग की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए 2012 लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता सायना नेहवाल ने ट्वीट कर कहा था, मैच शुरु होने वाले हैं और 30 घंटे पहले तक कोरोना की रिपोर्ट नहीं आई है जिसके कारण हम अभ्यास और जिम नहीं कर पा रहे हैं।

तीनों प्रारुपों में शीर्ष पांच में आने वाले एकमात्र बल्लेबाज बने विराट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के टीम के कप्तान विराट कोहली आईसीसी की ताजा टी20 रैंकिंग में पांचवें स्थान पर पहुंच गये हैं। इंग्लैंड के साथ तीसरे टी20 मैच में अपनी शानदार पारी की बदौलत विराट एक स्थान के लाभ के साथ ही पांचवें स्थान पर पहुंचे। इस प्रकार उन्हें 47 रेटिंग अंक का लाभ हुआ और अब उनके कुल 744 अंक हो गए हैं। वे अभी एकदिवसीय रैंकिंग में पहले और टेस्ट में पांचवें स्थान पर हैं। इसी के साथ ही विराट अब तीनों प्रारुपों में शीर्ष-5 रैंकिंग में शामिल होने वाले एकमात्र बल्लेबाज बन गये हैं। वहीं दूसरी ओर लगातार खराब प्रदर्शन कर रहे सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल टी20 रैंकिंग में एक पायदान फिसलकर चौथे स्थान पर आ गए हैं। उनके खाते में 771 रेटिंग अंक हैं। वहीं टी20 रैंकिंग में इंग्लैंड के डेविड मलान अभी भी नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं। उनके पास 894 रेटिंग अंक हैं। वहीं दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के एरॉन फिंच (830अंक) और तीसरे पर पाकिस्तान के बाबर आजम (801अंक) हैं। इसके अलावा तीसरे टी20 में 83 रन की पारी खेलने वाले इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर टी20 रैंकिंग में पांच स्थान के लाभ से ही 19वें स्थान पर आ गए हैं। वो अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ टी20 रैंकिंग 17 से सिर्फ दो स्थान पीछे हैं। उन्होंने अक्टूबर 2018 में टी20 में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की थी। वहीं दूसरे भारतीय बल्लेबाजों की टी20 रैंकिंग की बात करें तो श्रेयस अय्यर 32 स्थान की छलांग लगाकर 31वें नंबर पर आ गए हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 80वें पायदान पर आ गए हैं जबकि ऑलराउंडर्स में वॉशिंगटन सुंदर 11वें स्थान पर हैं।

घुड़सवारी प्रतियोगिता में भारत को दो स्वर्ण

ग्रेटर नोएडा : भारतीय घुड़सवारी टीम ने आईटीपीएफ विश्व कप क्वालीफायर के दूसरे दिन दो स्वर्ण पदक जीते। भारतीय टीम ने टीम स्वोर्ड स्पर्धा में 111 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। नेपाल ने 98 अंक के साथ रजत जबकि पाकिस्तान ने 89.5 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। भारतीय टीम में के कार्लेकर, बीआर जेना, मोहित कुमार और संदीप कुमार शामिल हैं। कार्लेकर ने व्यक्तिगत स्वोर्ड प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक जीता। भारत के ही संदीप कुमार ने रजत जबकि पाकिस्तान के मोहम्मद नासिर अब्बास और नेपाल के गोलम ने कांस्य पदक हासिल किया।

गंभीर ओर लक्ष्मण भी हैं बटलर की बल्लेबाजी के प्रशंसक

अहमदाबाद ।

टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर और स्टायलिश बल्लेबाज रहे वी वी एस लक्ष्मण ने इंग्लैंड की जीत के हीरो रहे विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर की जमकर प्रशंसा की है। लक्ष्मण के अनुसार इंग्लैंड का ये बल्लेबाज 360 डिग्री शॉट लगाने वाला क्रिकेटर है। वहीं गंभीर ने भी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के साथ बटलर को सीमित ओवरों के क्रिकेट का सबसे बेहतर बल्लेबाज बताया है। गंभीर ने कहा कि बटलर के पास बल्लेबाजी के दौरान काफी विकल्प होते हैं। फिर चाहे सामने तेज गेंदबाज हो या स्पिनर वो रिवर्स स्वीप, लैप शॉट के अलावा कट और पुल भी अच्छी तरह से खेलते हैं। ठीक वैसे ही जैसे दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स 360 डिग्री शॉट लगाते हैं। भारत के खिलाफ बटलर की नाबाद 83 रन की पारी के दौरान भी ये नजर आया। बटलर ने इस पारी में अकेले 17 रन पुल शॉट से बनाए। उन्होंने 45 रन ऑन साइड तो 29 रन ऑफ साइड में बनाए। वो कितने निडर बल्लेबाज हैं अंदाजा इससे लगाया जा सकता है उन्होंने पहले पावर-प्ले में गेंदबाजी करने आए लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल की पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। मैच में बटलर ने चहल को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया और दो बार उनकी गेंद पर रिवर्स स्वीप से चौका मारा। एक बार इसी तरह का शॉट खेलने के चक्कर में कोहली ने उनका कैच भी ड्रॉप किया फिर भी बटलर की बल्लेबाजी का अंदाज नहीं बदला और वो नाबाद 83 रन की पारी खेलकर इंग्लैंड को मैच जिताने में सफल रहे। बटलर बतौर विकेटकीपर इंग्लैंड के लिए तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में एलेक स्टीवर्ट के बाद दूसरे नंबर पर हैं। स्टीवर्ट ने इंग्लैंड के लिए 59 बार 50 या उससे ज्यादा रन बनाए थे। बटलर अब 50 बार ऐसा कर चुके हैं। वहीं तीसरे नंबर पर मैट प्रायर हैं वो 38 बार ऐसा कारनामा कर चुके हैं। बटलर को ऐसे ही 360 डिग्री शॉट लगाने वाला क्रिकेटर नहीं कहा जाता है। वह 2014 मई के बाद के 18 महीनों में इंग्लैंड के लिए वनडे में तीन बार सबसे तेज शतक लगा चुके हैं।

PCB नहीं मान रहा बाबर आजम की बात, शोएब अख्तर बोले- इस्तीफा दे दो

स्पोर्ट्स डेस्क। पाकिस्तान टीम में एक बड़ा विवाद पैदा होता हुआ दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान टीम के कप्तान बाबर आजम पीसीबी द्वारा जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए चुनी गई टी20 टीम से खुश नहीं हैं। रिपोर्ट के अनुसार बाबर आजम ने इसको लेकर पीसीबी से बात भी की लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि बाबर आजम की पाकिस्तान के मुख्य चयनकर्ता से बहस भी हुई है। अब इस मुद्दे पर पाकिस्तान टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने अपना बयान दिया है। शोएब अख्तर ने बाबर आजम को लेकर कहा कि हमने यह सुना कि पाकिस्तान टीम के कप्तान बाबर आजम की सलाह को पीसीबी ने नजरअंदाज कर दिया। अगर बाबर इससे दुखी हुए हैं और एक बड़ा ब्रांड बनना चाहते हैं तो उन्हें इस समय इस्तीफा दे देना चाहिए और यह संदेश भेजना चाहिए कि यह दोबारा नहीं होना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करते तो वह सरफराज अहमद पार्ट टू बना जाएंगे। शोएब अख्तर ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज का कई बार विरोध किया था। शोएब अख्तर के अनुसार सरफराज टीम के कोच मिकी आर्थर के सामने अपना पक्ष नहीं रखते। टीम चयन के दौरान भी वह अपनी बात नहीं रख पाते थे। इस कारण उनकी काफी आलोचना की जाती थी। वहीं बाबर आजम को शोएब अख्तर ने उन्हें इस्तीफा देने की सलाह दी है।

प्रेम के सौंदर्य का प्रतीक
खजुराहो

खजुराहो भारत के मध्य प्रदेश प्रान्त में स्थित एक प्रमुख शहर है जो अपने प्राचीन एवं मध्यकालीन मंदिरों के लिये विश्वविख्यात है। यह मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित है। खजुराहो को प्राचीन काल में खजूरपुरा और खजूर वाहिका के नाम से भी जाना जाता था। यहां बहुत बड़ी संख्या में प्राचीन हिन्दू और जैन मंदिर हैं। मंदिरों का शहर खजुराहो पूरे विश्व में मुड़े हुए पत्थरों से निर्मित मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। भारत के अलावा दुनिया भर के आगन्तुक और पर्यटक प्रेम के इस अप्रतिम सौंदर्य के प्रतीक को देखने के लिए निरंतर आते रहते है। हिन्दू कला और संस्कृति को शिल्पियों ने इस शहर के पत्थरों पर मध्यकाल में उत्कीर्ण किया था। संभोग की विभिन्न कलाओं को इन मंदिरों में बेहद खूबसूरती के उभारा गया है।

कैसे जाएं

खजुराहो जाने के लिए अपनी सुविधा के अनुसार वायु, रेल या सड़क परिवहन को अपनाया जा सकता है।

वायु मार्ग

खजुराहो वायु मार्ग द्वारा दिल्ली, वाराणसी, आगरा और काठमांडु से जुड़ा हुआ हैं। खजुराहो एयरपोर्ट सिटी सेन्टर से तीन किलोमीटर दूर है।

रेल मार्ग

खजुराहो का नजदीकी रेलवे स्टेशन महोबा और हरपालपुर है। दिल्ली और मुम्बई से आने वाले पर्यटकों के लिए झांसी सुविधाजनक रेलवे स्टेशन है। जबकि चेन्नई और वाराणसी से आने वालों के लिए सतना अधिक सुविधाजनक होगा। नजदीकी और सुविधाजनक रेलवे स्टेशन से टैक्सी या बस के माध्यम से खजुराहो पहुंचा जा सकता है। सड़कों की स्थिति ठीक?ठाक है।

सड़क मार्ग

खजुराहो महोबा, हरपालपुर, छतरपुर, सतना, पन्ना, झांसी, आगरा, ग्वालियर, सागर, जबलपुर, इंदौर, भोपाल, वाराणसी और इलाहाबाद से नियमित और सीधा जुड़ा हुआ है। दिल्ली के राष्ट्रीय राजमार्ग 2 से पलवल, कौसी कला और मथुरा होते हुए आगरा पहुंचा जा सकता है। राष्ट्रीय राजमार्ग 3 से धौलपुर और मुरैना के रास्ते ग्वालियर जाया जा सकता है। उसके बाद राष्ट्रीय राजमार्ग 75 से झांसी, मउरानीपुर और छतरपुर से होते हुए बमिंथा और वहां से राज्य राजमार्ग की सड़क से खजुराहो पहुंचा जा सकता है।

खरीददारी

खजुराहो में अनेक छोटी-छोटी दुकानें हैं जो लोहे, तांबे और पत्थर के गहने बेचते हैं। यहां विशेष रूप से पत्थरों और धातुओं पर उकेरी गई कामसूत्र की भंगिमाएं प्रसिद्ध हैं। इन्हें यहां की दुकानों से खरीदा जा सकता है। मृगनयनी सरकारी एम्पोरियम के शटर अधिकांश समय गिरे रहते हैं। दिसम्बर में राज्य के ट्राईबल और फॉक संग्रहालय में कारीगरों की एक कार्यशाला आयोजित की जाती है। कार्यशाला से यहां के कारीगर अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। उनकी अद्भुत कला के नमूनों को यहां से खरीदा जा सकता है।

इतिहास

खजुराहो का इतिहास लगभग एक हजार साल पुराना है। यह शहर चंदेल साम्राज्?य की प्रथम राजधानी था। चन्देल वंश और खजुराहो के संस्थापक चन्द्रवर्मन थे। चंदेल मध्यकाल में बुंदेलखंड में शासन करने वाले राजपूत राजा थे। वे अपने आप का चन्द्रवंशी मानते थे। चंदेल राजाओं ने दसवीं से बारहवी शताब्दी तक मध्य भारत में शासन किया। खजुराहो के मंदिरों का निर्माण 950 ईसवीं से 1050 ईसवीं के बीच इन्हीं चंदेल राजाओं द्वारा किया गया। मंदिरों के निर्माण के बाद चंदेलों ने अपनी राजधानी महोबा स्थानांतरित कर दी। लेकिन इसके बाद भी खजुराहो का महत्व बना रहा। मध्यकाल के दरबारी कवि चन्द्रवरदायी ने पृथ्वीराज रासो के महोबा खंड में चंदेलों की उत्पत्ति का वर्णन किया है। उन्होंने लिखा है कि काशी के राजपंडित की पुत्री हेमवती अपूर्व सौंदर्य की स्वामिनी थी। एक दिन वह गर्मियों की रात में कमल-पुष्पों से भरे हुए तालाब में स्नान कर रही थी। उसकी सुंदरता देखकर भगवान चन्द्र उन पर मोहित हो गए। वे मानव रूप धारणकर धरती पर आ गए और हेमवती का हरण कर लिया। दुर्भाग्य से हेमवती विधवा थी। वह एक बच्चे की मां थी। उन्होंने चन्द्रदेव पर अपना जीवन नष्ट करने और चरित्र हनन का आरोप लगाया। अपनी गलती के पश्चाताप के लिए चन्द्र देव ने हेमवती को वचन दिया कि वह एक वीर पुत्र की मां बनेगी। चन्द्रदेव ने कहा कि वह अपने पुत्र को खजूरपुरा ले जाए। उन्होंने कहा कि वह एक महान राजा बनेगा। राजा बनने पर वह बाग और झीलों से घिरे हुए अनेक मंदिरों का निर्माण करवाएगा। चन्द्रदेव ने हेमवती से कहा कि राजा बनने पर तुम्हारा पुत्र एक विशाल यज्ञ का आयोजन करगा जिससे तुम्हारे सारे पाप धुल जाएंगे। चन्द्र के निर्देशों का पालन कर हेमवती ने पुत्र को जन्म देने के लिए अपना घर छोड़ दिया और एक छोटे-से गांव में पुत्र को जन्म दिया। हेमवती का पुत्र चन्द्रवर्मन अपने पिता के समान तेजस्वी, बहादुर और शक्तिशाली था। सोलह साल की उम्र में वह बिना हथियार के शेर या बाघ को मार सकता था। पुत्र की असाधारण वीरता को देखकर हेमवती ने चन्द्रदेव की आराधना की जिन्होंने चन्द्रवर्मन को पारस पत्थर भेंट किया और उसे खजुराहो का राजा बनाया। पारस पत्थर से लोहे को सोने में बदला जा सकता था। चन्द्रवर्मन ने लगातार कई युद्धों में शानदार विजय प्राप्त की। उसने कालिंजर का विशाल किला बनवाया। मां के कहने पर चन्द्रवर्मन ने तालाबों और उद्यानों से आच्छादित खजुराहो में 85 अद्वितीय मंदिरों का निर्माण करवाया और एक यज्ञ का आयोजन किया जिसने हेमवती को पापमुक्त कर दिया। चन्द्रवर्मन और उसके उत्तराधिकारियों ने खजुराहो में अनेक मंदिरों का निर्माण करवाया।

दर्शनीय स्थल

जब से ब्रिटिश इंजीनियर टी एस बर्ट ने खजुराहो के मंदिरों की खोज की है तब से मंदिरों के एक विशाल समूह को पश्चिमी समूह के नाम से जाना जाता है। यह खजुराहो के सबसे आकर्षक स्थानों में से एक है। इस स्थान को युनेस्को ने 1986 में विश्व विरासत की सूची में शामिल भी किया है। इसका मतलब यह हुआ कि अब सारा विश्व इसकी मरम्मत और देखभाल के लिए उत्तरदायी होगा। शिवसागर के नजदीक स्थित इन पश्चिम समूह के मंदिरों के दर्शन के साथ अपनी यात्रा शुरू करनी चाहिए। एक ऑडियो हैडसेट 50 रूपये में टिकट बूथ से 500 रूपये जमा करके प्राप्त किया जा सकता है। इसके अलावा दो सौ रूपये से तीन रूपये के बीच आधे या पूरे दिन में चार लोगों के लिए गाइड सेवाएं भी ली जा सकती हैं। खजुराहो को साइकिल के माध्यम से अच्छी तरह देखा जा सकता है। यह साइकिलें 20 रूपये प्रति घंटे की दर से पश्चिम समूह के निकट स्टैंड से प्राप्त की जा सकती है। इस परिसर के विशाल मंदिरों की बहुत ज्यादा सजावट की गई है। यह सजावट यहां के शासकों की संपन्नता और शक्ति को प्रकट करती है। इतिहासकारों का मत है कि इनमें हिन्दू देवकुलों के प्रति भक्ति भाव दर्शाया गया है। देवकुलों के रूप में या तो शिव या विष्णु को दर्शाया गया है। इस परिसर में स्थित लक्ष्मण मंदिर उच्च कोटि का मंदिर है। इसमें भगवान विष्णु को बैकुंठम के समान बैठा हुआ दिखाया गया है। चार फुट ऊंची विष्णु की इस मूर्ति में तीन सिर हैं। ये सिर मनुष्य, सिंह और वराह के रूप में दर्शाए गए हैं। कहा जाता है कि कश्मीर के चम्बा क्षेत्र से इसे मंगवाया गया था। इसके तल के बाएं हिस्से में आमलोगों के प्रतिदिन के जीवन के क्रियाकलापों, कूच करती हुई सेना, घरेलू जीवन तथा नृतकों को दिखाया गया है। मंदिर के प्लेटफार्म की चार सहायक वेदियां हैं। 954 ईसवीं में बने इस मंदिर का संबंध तांत्रिक संप्रदाय से है। इसका अग्रभाग दो प्रकार की मूर्तिकलाओं से सजा है जिसके मध्य खंड में मिथुन या आलिंगन करते हुए दंपत्तियों को दर्शाता है। मंदिर के सामने दो लघु वेदियां हैं। एक देवी और दूसरा वराह देव को समर्पित है। विशाल वराह की आकृति पीले पत्थर की चट्टान के एकल खंड में बनी है।

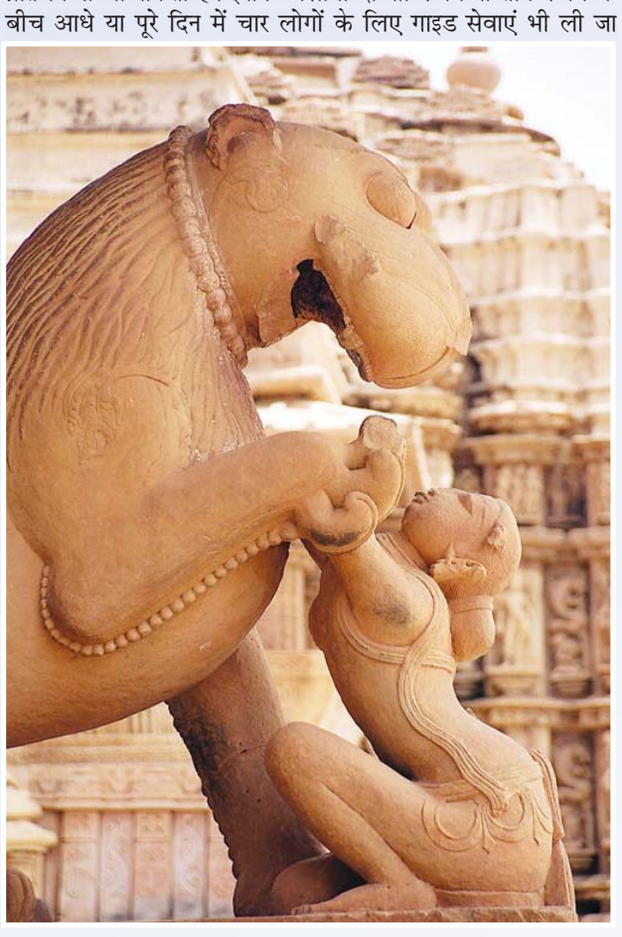

कंदरिया महादेव मंदिर

कंदरिया महादेव मंदिर पश्चिमी समूह के मंदिरों में विशालतम है। यह अपनी भव्यता और संगीतमयता के कारण प्रसिद्ध है। इस विशाल मंदिर का निर्माण महान चंदेल राजा विद्याधर ने महमूद गजनवी पर अपनी विजय के उपलक्ष्य में किया था। लगभग 1050 ईसवीं में इस मंदिर को बनवाया गया। यह एक शैव मंदिर है। तांत्रिक समुदाय को प्रसन्न करने के लिए इसका निर्माण किया गया था। कंदरिया महादेव मंदिर लगभग 107 फुट ऊंचा है। मकर तोरण इसकी मुख्य विशेषता है। मंदिर के संगमरमरी लिंगम में अत्यधिक ऊर्जावान मिथुन हैं। अलेक्जेंडर कनिंघम के अनुसार यहां सर्वाधिक मिथुनों की आकृतियां हैं। उन्होंने मंदिर के बाहर 646 आकृतियां और भीतर 246 आकृतियों की गणना की थीं।

देवी जगदम्बा मंदिर

कंदरिया महादेव मंदिर के चबूतरे के उत्तर में जगदम्बा देवी का मंदिर है। जगदम्बा देवी का मंदिर पहले भगवान विष्णु को समर्पित था, और इसका निर्माण 1000 से 1025 ईसवीं के बीच किया गया था। सैकड़ों वर्षों पश्चात यहां छतरपुर के महाराजा ने देवी पार्वती की प्रतिमा स्थापित करवाई थी इसी कारण इसे देवी जगदम्बा मंदिर कहते हैं। यहां पर उत्कीर्ण मैथुन मूर्तियों में भावों की गहरी संवेदनशीलता शिल्प की विशेषता है। यह मंदिर शार्दूलों के काल्पनिक चित्रण के लिए प्रसिद्ध है। शार्दूल वह पौराणिक पशु था जिसका शरीर शेर का और सिर तोते, हाथी या वराह का होता था।

संग्रहालय

खजुराहो के विशाल मंदिरों को टेड़ी गर्दन से देखने के बाद तीन संग्रहालयों को देखा जा सकता है। वेस्टर्न ग्रुप के विपरीत स्थित भारतीय पुरातत्व विभाग के संग्रहालय में मूर्तियों को अपनी आंख के स्तर पर देखा जा सकता है। पुरातत्व विभाग के इस संग्रहालय को चार विशाल गृहों में विभाजित किया गया है जिनमें शैव, वैष्णव, जैन और 100 से अधिक विभिन्न आकारों की मूर्तियां हैं। संग्रहालय में विशाल मूर्तियों के समूह को काम करते हुए दिखाया गया है। इसमें विष्णु की प्रतिमा को मुंह पर अंगुली रखे चुप रहने के भाव के साथ दिखाया गया है।

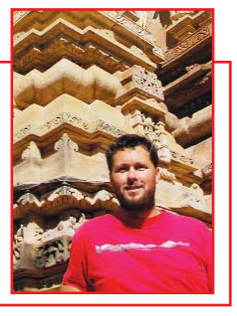

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बाइडेन प्रशासन की बढ़ी मुश्किलें, अमेरिका-मेक्सिको सीमा में प्रवासी बच्चों की संख्या में तेजी

वाशिंगटन।अमेरिका की दक्षिण-पश्चिम सीमा पर प्रवासियों की आवक बढ़ने के संदर्भ में गृह सुरक्षा प्रमुख ने इस समस्या की गंभीरता को स्वीकार किया है, लेकिन साथ ही कहा है कि स्थिति नियंत्रण में है। गृह सुरक्षा सचिव एलेजेंड्रो मायोरकास ने यह भी कहा कि वह सीमा पर आ रहे किशोरों और बच्चों को तत्काल वापस भेजने की डोनाल्ड ट्रंप के समय की व्यवस्था को फिर से लागू नहीं करेंगे। अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर पिछले साल अप्रैल से बड़ी संख्या में प्रवासियों को रोका जा रहा है और कोविड-19 महामारी शुरू होने के बाद पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा जारी एक सार्वजनिक स्वास्थ्य आदेश के तहत मौजूदा प्रशासन आज भी ऐसे अधिकतर परिवारों और अकेले वयस्क प्रवासियों को तत्काल बाहर निकाल रहा है। लेकिन वह किशोरों और बच्चों को कम से कम अस्थायी रूप से ठहरने की इजाजत दे रहा है और वे अब और बड़ी संख्या में आ रहे हैं। इस तरह के कुछ घटनाक्रमों से राष्ट्रपति जो बाइडन के समक्ष कठिनाई पैदा हो गयी है। रिपब्लिकन इसकी आलोचना करते हुए कह रहे हैं कि अवैध सीमापार करने वालों को बढ़ावा दिया जा रहा है। बाइडेन के सामने ट्रंप की सीमा संबंधी नीतियों में सुधार करने की चुनौती है। गृह सुरक्षा सचिव मायोरकास ने कहा, ''दक्षिण-पश्चिम सीमा पर हालात मुश्किल वाले हैं। हम इसे संभालने के लिए हर समय काम कर रहे हैं और करते रहेंगे।

नेपाल की सत्तारूढ़ पार्टी CPN-UML के धड़ों में बढ़ा टकराव, पीएम ओली की चिंता बढ़ीं

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने पार्टी में अपने प्रतिद्वंद्वी धड़े की बुधवार को शुरू हो रही राष्ट्रीय सभा में भाग लेने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की चेतावनी दी है, जिसके बाद सत्तारूढ़ सीपीएन-यूएमएल टूटने के कगार पर नजर आ रही है। न्यूज एजेन्सी के अनुसार, माधव कुमार नेपाल और झाला नाथ खनाल के नेतृत्व वाले कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूएमएल में ओली के प्रतिद्वंद्वी धड़े ने दो दिवसीय राष्ट्रीय काडर सभा आयोजित की है, जिसमें पार्टी की सभी शाखाओं के करीब 2,000 नेता और काडर के भाग लेने की संभावना है। ओली के नेतृत्व वाले धड़े ने नेपाल-खनाल धड़े द्वारा बुधवार और बृहस्पतिवार को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में भाग लेने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिद्वंद्वी धड़े कहना है कि वे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम आयोजित करेंगे। ओली ने नेपाल-खनाल पर पार्टी विरोधी गतिविधियां करने का आरोप लगाते हुए कहा, 'मैंने सुना है कि वे कल राष्ट्रीय काडर बैठक करने वाले हैं, जहां वे एक रिपोर्ट भी पारित करेंगे। मैं पार्टी विरोधी गतिविधियां अब और सहन नहीं कर सकता।' मायरिपब्लिका में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, सीपीएन-यूएमएल महासचिव ईश्वर पोखरल ने बयान जारी करके पार्टी नेताओं और सदस्यों से इस बैठक में भाग नहीं लेने को कहा है। उनका कहना है कि उनकी पार्टी ने ऐसा कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया है। उन्होंने अवैध सभा में शामिल होने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी।

इमरान खान की बढ़ी मुश्किलें! पाकिस्तान चुनाव आयोग ने भेजा नोटिस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने देश के प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी तथा उसकी अपनी जांच समिति को नोटिस जारी कर 22 मार्च को उनके समक्ष पेश होने और पार्टी को विदेश से मिले चंदे के दस्तावेज छुपाने के मामले में अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। मीडिया की खबरों में यह दावा किया गया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के असंतुष्ट संस्थापक सदस्य अकबर एस बाबर द्वारा पार्टी के दस्तावेजों को गुप्त रखने के जांच समिति के फैसले के खिलाफ की शिकायत के बाद ये नोटिस जारी किए गए हैं।

अब भारत बताएगा दुनिया में कहां, कितना लोकतंत्र, फीडम इंडेक्स और वर्ल्ड डेमोक्रेसी रिपोर्ट लाने की तैयारी

नई दिल्ली। किस देश में कितना लोकतंत्र है, अब भारत भी अपने थिंक टैंक के जरिए दुनिया को बताएगा। साथ ही उन रिपोर्टों का मुंहतोड़ जवाब देगा, जिनमें भारत को कम आंका जाता है। विदेश मंत्रालय स्वतंत्र भारतीय थिंक टैंक के आधार पर वर्ल्ड डेमोक्रेसी रिपोर्ट और ग्लोबल प्रेस फीडम इंडेक्स लाने की तैयारी कर रहा है। सरकारी दस्तावेजों से परिचित लोगों के अनुसार, विदेश मंत्रालय एक 'वर्ल्ड डेमोक्रेसी रिपोर्ट' के साथ-साथ एक स्वतंत्र भारतीय थिंक टैंक द्वारा लाया जाने वाला 'ग्लोबल प्रेस फीडम इंडेक्स' पर भी विचार कर रहा है। बता दें कि हाल ही में फीडम हाउस और वी-डेम इंस्टीट्यूट की हालिया रिपोर्टों में भारत की लोकतांत्रिक रैंकिंग में गिरावट आई थी। इस साल के प्रारंभ में विदेश मंत्रालय द्वारा तैयार आंतरिक नोट में कहा गया है कि हम भारतीय स्वतंत्र थिंक टैंकों को प्रोत्साहित कर सकते हैं कि वे व्यापक मापदंडों के साथ-साथ प्रेस इंडेक्स की वार्षिक वैश्विक स्वतंत्रता के आधार पर अपनी वार्षिक वर्ल्ड डेमोक्रेसी रिपोर्ट यानी विश्व लोकतंत्र रिपोर्ट तैयार करें। हालांकि, विदेश मंत्रालय ने इस मामले पर कोई जवाब नहीं दिया है।

साउथ चाइना सी में ताइवान ने उठाया बड़ा कदम, चीन के बुरे दिनों की हुई शुरुआत?

ताइपे। (एजेंसी)।

दूसरे देशों की सीमाओं को अपना बताने वाली चीन की नीति जल्द ही लदने वाली है। अब छोटे-छोटे देश भी उसको जवाब देने लगे हैं। साउथ चाइना सी और ताइवान पर कब्जा जमाने की कोशिश कर रहे चीन को करारा झटका लगा है। दरअसल, ताइवान ने साउथ चाइना सी में सैन्य ताकत को बढ़ाने का ऐलान किया है। ताइवान के हाल ही में नियुक्त किए गए डिफेंस मिनिस्टर ने संसद में बताया कि ताइवान साउथ चाइना सी में सैन्य तैनाती को मजबूत किया है और अमेरिका ने ताइवान की नई पनडुब्बी बेड़े को लैस करने के लिए संवेदनशील तकनीक के एक्सपोर्ट को मंजूरी दे दी है।

ताइवान को अपना बताता रहा है चीन

काफी सालों से चीन ताइवान को अपना बताता रहा है और उस पर पूरा हक जताता है। हाल के महीनों में डरे चीन ने ताइवान के आसपास सैन्य ताकत को बढ़ाया है। इसकी वजह यह है कि चीन चाहता है कि दबाव बनाकर तेइपे को अपनी ओर किया जा सके और वह बीजिंग की संप्रभुता को ही स्वीकार करे। उधर, ताइवान ने खुद को बचाने के लिए लड़ना बेहतर समझा है। संसद में बुधवार को बोलते हुए ताइवान के डिफेंस मिनिस्टर चियु कुओ-चेंग ने बताया है कि ताइवान ने साउथ चाइना सी में मुख्य द्वीप ताइवान के कब्जे वाले इटू आबा पर तैनात कर्मियों और सेनाओं को बढ़ा दिया है। चेंग ने पिछले महीने ही डिफेंस मिनिस्टर का पद संभाला है। इटू आबा, जिसे ताइपिंग द्वीप भी कहते हैं, वह प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला द्वीप है और ताइवान के कोस्ट गार्ड इसकी रक्षा करते हैं।

'क्या ताइवान पर हमला कर सकता है चीन?'

चियु से संसद में पूछा गया कि क्या चीन ताइवान पर हमला कर सकता है, इसके जवाब में उन्होंने बताया कि वे युद्ध को शुरू करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे देश के लिए हमारा लक्ष्य है कि हमेशा तैयार रहें।' चियु ने आगे कहा कि ताइवान इस क्षेत्र में चीन के 'विस्तारवाद' के कारण इटू आबा में अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा था, हालांकि यह वर्तमान में एक स्थायी सेना की वापसी पर विचार नहीं कर रहा है। चीन ने साउथ चाइना सी में मानव निर्मित द्वीपों का निर्माण किया है और उनमें से कुछ पर हवाई अड्डे भी बनाए हैं। वियतनाम, फिलीपींस, मलेशिया और ब्रूनेई आदि साउथ चाइना सी के जलमार्ग पर दावा करते हैं।

2024 तक बन जाएंगी आठ अटैक पनडुब्बियां

वहीं, चियु ने यह भी बताया कि अमेरिका ने ताइवान के पहले घरेलू स्तर पर पनडुब्बी बेड़े के लिए आवश्यक सभी संवेदनशील उपकरणों के लिए एक्सपोर्ट परमिट को मंजूरी दी है। आठ अटैक पनडुब्बियों का निर्माण पिछले नवंबर में शुरू हुआ था, 2024 तक पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अमेरिका से ताइवान की हथियारों की खरीद पर

अमेरिका के नए राष्ट्रपति बाइडन के प्रशासन का कोई गलत प्रभाव नहीं पड़ा है।

इमरान खान ने फिर अलापा कश्मीर राग, कहा- भारत करे पहल तो सुधर जाएंगे रिश्ते

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को कहा कि भारत को कश्मीर पर बात करते हुए द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के लिए पहला कदम उठाना होगा, जो कि दोनों पक्षों के बीच बेहतर संबंधों के रास्ते में खड़ी एकमात्र बांधा है।

इमरान खान ने यह बात देश के प्रमुख थिंक टैंकों के सहयोग से पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के दौरान इस्लामाबाद सुरक्षा संवाद के पहले संस्करण को संबोधित करते हुए कही।

भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं द्वारा 24 फरवरी की मध्यरात्रि से जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर 2003 में हुए संघर्षविराम के पिछले समझौतों पर लौटने के बाद, भारत के साथ संबंधों पर इमरान खान की यह पहली सार्वजनिक टिप्पणी है।

इमरान खान ने भारत सरकार द्वारा 5 अगस्त, 2019 को कश्मीर पर लिए गए फैसले की ओर इशारा करते हुए कहा, 'एक मुद्दा है जो हमें इस समय आपसी संबंधों को सुधारने से रोक रहा है। हम अपना प्रयास करेंगे लेकिन भारत को पहला कदम उठाना होगा, क्योंकि 5 अगस्त के फैसले के बाद जब तक वे पहला कदम नहीं उठाते, तब तक दुर्भाग्य से हम आगे नहीं बढ़ सकते हैं।'

इमरान खान ने कहा, 'हमारा मुद्दा मूल रूप से कश्मीर है और यही एकमात्र मुद्दा है। हमें इस पर सोचना होगा कि कैसे इसे बातचीत के माध्यम से सुलझा सकते हैं और सभ्य पड़ोसियों के रूप में एक बेहतर संबंध स्थापित कर सकते हैं।'

पाकिस्तानी पीएम ने कहा कि साल 2018 में सरकार बनाने के बाद उन्होंने भारत के साथ सभी मुद्दों को सुलझाने का प्रयास किया था। लेकिन दुर्भाग्यवश 5 अगस्त के फैसला एक बड़ा झटका था और यहीं से दोनों देशों के बीच संबंध फिर से पूरी तरह टूट गया था।'

उन्होंने बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, 'हम अभी भी उम्मीद करते हैं कि भारत कश्मीरियों को वो अधिकार दें, जो उन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अपने जीवन को तय करने के लिए दिए थे। यह भारत के लिए उतना ही फायदेमंद होगा जितना कि पाकिस्तान के लिए।'

उन्होंने कहा, 'यदि बातचीत के माध्यम से कश्मीर के संकल्प की दिशा में बदलाव होता है, तो पूरा क्षेत्र बदल जाएगा और दोनों देशों को काफी फायदा होगा - भारत के लिए लाभ होगा, क्योंकि वहां बहुत गरीबी है इसलिए यदि गरीबी को दूर करना है तो हमारे व्यापारिक और आर्थिक संबंध मजबूत होने चाहिए और हमारी क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बढ़नी चाहिए।'

इमरान खान की इस टिप्पणी में बीते एक साल में भारत और नरेंद्र मोदी सरकार को लेकर उनको कड़ो आलोचनात्मक रुख में बदलाव देखा गया है।

म्यांमार में सेना की घातक कार्रवाई के बावजूद डटे हैं प्रदर्शनकारी, अब तक 200 से अधिक लोगों ने गंवाई जान

यांगून। (एजेंसी)।

म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के खिलाफ हो रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शनों पर सेना की घातक कार्रवाई के बावजूद बुधवार को भी प्रदर्शनकारी डटे रहे। स्वतंत्र संगठन 'असिस्टेंट एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स' द्वारा एकत्र आंकड़ों के अनुसार, आंग सान सू ची की निर्वाचित असैन्य सरकार को अपदस्थ करने के लिए एक फरवरी को किए गए सैन्य तख्तापलट के बाद से सेना की कार्रवाई में मारे गए प्रदर्शनकारियों की पुष्ट संख्या अब 200 से अधिक हो गई है। संगठन ने आरोप लगाया कि जुंटा बल केवल प्रदर्शनकारियों ही नहीं, बल्कि आमजन को भी निशाना बना रहे हैं। उसने कहा, ''कुछ घायलों को गिरफ्तार किया गया और चिकित्सकीय सुविधा के अभाव में उनकी मौत हो गई, कुछ लोगों की पूछताछ के दौरान उत्पीड़न के कारण मौत हो गई, कुछ अन्य की मौत कार्रवाई के दौरान गोली लगने से हो गई, उनके शवों को खींचकर दूर ले जाया गया और जुंटा बलों ने उनके परिजन को शव नहीं सौंपे हैं।'' संगठन ने कहा कि मंगलवार तक 202 लोगों की मौत हो गई, 2,181 लोगों को गिरफ्तार किया गया या उन पर आरोप लगाए गए। स्थानीय मीडिया संगठनों एवं सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसारमध्य म्यांमा के ताउंगू, थायेत, मायिंगयान और मादाया, भारत के साथ लगती सीमा के पास स्थित तामू और यांगून के उत्तर-पश्चिम में इरावदी नदी के किनारे स्थित प्याय शहर में बुधवार को शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की भीड़ पर मंगलवार को भी घातक कार्रवाई की थी।

रिपोर्ट में खुलासा,अमेरिकी चुनाव में ट्रंप की मदद करने के अभियान को पुतिन ने दी थी मंजूरी

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका में गत नवंबर में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मदद करने के अभियानों को मंजूरी दी थी। एक खुफिया रिपोर्ट में यह बताया गया है कि रूस और ईरान ने चुनाव नतीजों को प्रभावित करने की व्यापक कोशिशें की थीं, लेकिन ऐसा कोई सबूत नहीं मिला कि किसी विदेशी दखल से मतों या मतदान प्रक्रिया पर कोई असर पड़ा हो। राष्ट्रीय खुफिया कार्यालय के निदेशक के कार्यालय से मंगलवार को जारी रिपोर्ट में अमेरिका में 2020 में हुए चुनावों में विदेशी दखल का विस्तृत आकलन दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान ने मतदान पर विश्वास कम करने और ट्रंप के फिर से राष्ट्रपति बनने की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने की कोशिशें की।

इन कोशिशों के बावजूद खुफिया अधिकारियों को मतदान प्रक्रिया के

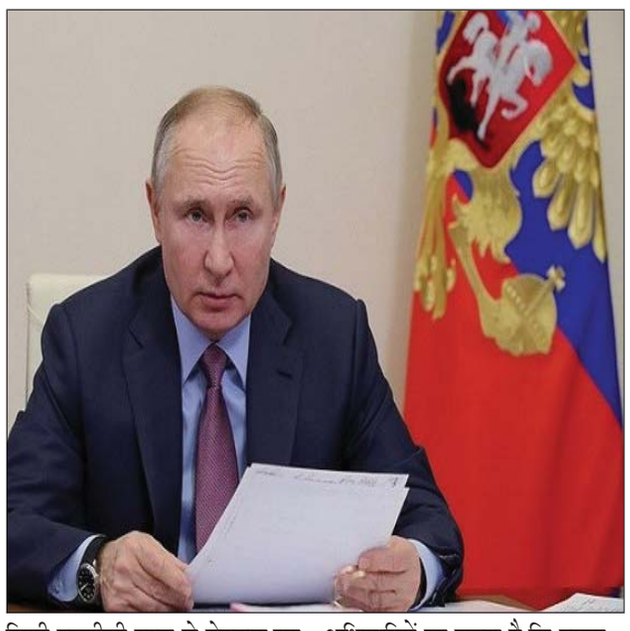

किसी तकनीकी पहलू से छेड़छाड़ कर 2020 के अमेरिकी चुनाव में किसी विदेशी दखल के कोई सबूत नहीं मिले। मंगलवार को आई इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने चुनाव में दखल नहीं दिया। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि उनका मानना है कि चीन अमेरिका के साथ स्थिर संबंध को अहमियत देता है और उसने चुनाव में हस्तक्षेप करके इसमें पकड़े जाने का किसी तरह का जोखिम नहीं उठाया।

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में शानदार नेतृत्व करने को लेकर बोरिस जॉनसन ने की पीएम मोदी की सराहना

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में शानदार नेतृत्व करने को लेकर अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी की बुधवार को सराहना की। जॉनसन ने कहा कि अगले महीने उनकी नयी दिल्ली की यात्रा के दौरान ''मित्र'' के साथ वार्ता के एजेंडा में सतत भविष्य के लिए ब्रिटेन और भारत के साझा दृष्टिकोण सहित कई मुद्दे शामिल रहेंगे। आपदा प्रतिरोधक आधारभूत ढांचा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडीआरआई) को संबोधित करते हुए जॉनसन ने इसकी मेजबानी करने को लेकर मोदी का शुक्रिया अदा किया। यह सम्मेलन डिजिटिल माध्यम से आयोजित किया गया है। मोदी ने इसका उदघाटन किया है। जॉनसन ने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में शानदार नेतृत्व करने को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की सराहना की और भारत के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सह-अध्यक्षता मेंसीडीआरआई की उत्कृष्ट पहल का स्वागत किया। जॉनसन के अप्रैल के अंत में भारत की यात्रा करने की संभावना है।

चीन के वीजा के लिए अब लगवानी होगी 'चीनी वैक्सीन', भारतीयों की बढ़ी मुश्किलें

चीन जानें वाले भारतीयों की मुश्किलें बढ़ने वाली है, बता दें कि चीनी दूतावास ने घोषणा की है कि अब देश उन यात्रियों को वीजा जारी करना शुरू कर देगा जिन्होंने चीनी निर्मित कोविड़-19 टीका लिया है और टीकाकरण के प्रमाण पत्र के अधिकारी हैं। चीनी दूतावास ने एक बयान में कहा, यह अपने

कारोबार, कामकाज या 'मानवीय जरूरतों को करने के लिए चीन की यात्रा करने के इच्छुक लोगों के लिए उपायों की सुविधा प्रदान करेगा। 15 मार्च 2021 से शुरू होने वाले इस प्रक्रिया में लोगों को एक क्रमबद्ध तरीके से लोगों के आदान-प्रदान को फिर से शुरू करने के उद्देश्य से, भारत में चीनी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को चीनी-निर्मित कोविड़-19 वैक्सीन लेने और कुछ लोगों के साथ टीकाकरण का प्रमाण पत्र रखने की सुविधा प्रदान करेगा। चीनी दूतावास के मुताबिक, चीन जाने वाले व्यक्तियों और उनके परिवार के सदस्यों को अपने वीजा आवेदन चीनी दूतावास या भारत में वाणिज्य दूतावास में जमा करने की अनुमति है। इस नियम से हालांकि, भारतीयों के लिए वीजा प्राप्त करना आसान नहीं होगा क्योंकि नई दिल्ली ने देश में चीन निर्मित टीकों के उपयोग को मंजूरी नहीं दी है। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच कोई सीधी उड़ान नहीं है। ऑफिशियल एपीईसी बिजनेस ट्रैवल कार्ड (एबीटीसी) वाले विदेशी वैध वीसीटीसी के साथ बिजनेस वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं और चीनी वीज़ा एप्लीकेशन सर्विस सेंटर (वीएफएस) के माध्यम से चीन में अपने समकक्ष से निमंत्रण पत्र ले सकते हैं। दूतावास के मुताबिक, भारत से चीन जाने वाले विदेशियों को बोर्डिंग के लिए इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ डिक्लेरेशन पेश करना होगा।

जापान और अमेरिका की टू प्लस टू वार्ता में चीन की हुई तीखी आलोचना

तो यो। (एजेंसी)।

जापान और अमेरिका के शीर्ष मंत्रियों की बैठक के दौरान दोनों देशों ने एशिया में चीन की 'जोर-जबरदस्ती और आक्रामकता' की आलोचना की। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के जनवरी में सत्ता में आने के बाद दोनों देशों में शीर्ष मंत्रियों के स्तर पर यह पहली बातचीत हुई है। तोक्यो में मंगलवार को हुई बैठक में बीजिंग की तीखी आलोचना की गई। अमेरिकी मंत्रियों की जापान और दक्षिण कोरिया की यात्रा के जरिए बाइडेन प्रशासन एशिया में अपने सहयोगियों की चिंताओं को दूर करना चाहता है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में इन सहयोगियों के साथ संबंधों में कई बार टकराव पैदा हो गया था। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपने जापानी समकक्षों रक्षा मंत्री नोबुओ किशि और विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी के साथ 'टू प्लस टू' वार्ता की। बातचीत के बाद ब्लिंकन ने कहा कि क्षेत्र में लोकतंत्र और मानवाधिकार को चुनौती दी जा रही है और अमेरिका मुक्त एवं स्वतंत्र हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम करेगा।

ब्लिंकन ने कहा कि बाइडेन प्रशासन चीन तथा उसके सहयोगी उत्तर कोरिया के कारण चुनौतियों का सामना कर रहे अमेरिकी सहयोगियों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''चीन अगर जोर-जबरदस्ती और आक्रामकता अपनाता है तो जरुरत पड़ने पर हम उसे पीछे धकेलेंगे।'' वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान में मंत्रियों ने चीन के शिंजियांग प्रांत में मानवाधिकारों के उल्लंघन, ''दक्षिण चीन सागर में समुद्री क्षेत्र के गैरकानूनी दावों और गतिविधियों'', और पूर्वी चीन सागर में जापान के नियंत्रण वाले द्वीपों पर ''यथा स्थिति को बदलने के एकतरफा प्रयास'' पर गंभीर चिंता जतायी। गौरतलब है कि चीन पूर्वी चीन सागर में स्थित जापान के नियंत्रण वाले द्वीपों पर अपना दावा करता है। बयान में ताइवान जलडमरुमध्य में भी ''शांति और स्थिरता'' के महत्व पर जोर दिया गया। बाइडन प्रशासन के कैबिनेट मंत्रियों की पहली विदेश यात्रा के दौरान ब्लिंकन एवं ऑस्टिन और उनके जापानी समकक्षों के बीच कोविड-19 महामारी और जलवायु परिवर्तन पर मिलकर काम करने को लेकर सहमति बनी। दोनों पक्ष उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे और म्यांमा में सैन्य तख्ता पलट से उत्पन्न स्थिति पर भी सहयोग को राजी हुए।

अमेरिका के दोनों शीर्ष मंत्रियों के मंगलवार को जापान पहुंचने के तुरंत बाद उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वह अगले चार साल तक ''शांति से सोना चाहता है'' तो उसे ''कोई बखेड़ा खड़ा नहीं करना चाहिए''। उन्होंने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच सैन्य अभ्यासों की भी आलोचना की। किम यो जोंग का मंगलवार को आया बयान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के लिए उत्तर कोरिया का पहला आधिकारिक बयान है। बाइडन ने जापानी मंत्रियों को अमेरिका आने का न्योता देने की जगह अपने दो शीर्ष मंत्रियों को जापान यात्रा पर भेजा है, जो एशियाई देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जापान अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को अपनी कूटनीतिक और रक्षा नीतियों की नींव का पत्थर मानता है। 'टू प्लस टू' वार्ता से पहले विदेश मंत्री मोटेगी के साथ बातचीत के दौरान ब्लिंकन ने कहा था, ''हमने पहली कैबिनेट स्तरीय यात्रा के लिए जापान को यूं ही नहीं चुना।'' उन्होंने कहा कि वह और ऑस्टिन, गठबंधन के प्रति समर्पण को दृढ़ता प्रदान करने तथा उसे और आगे ले जाने के लिए आए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा पर साथ मिलकर काम कर रहे हैं। ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका और जापान ने दक्षिण कोरिया के साथ अपनी त्रिपक्षीय साझेदारी के महत्व को पुन- पुख्ता किया, लेकिन मंत्रियों ने युद्ध के दौरान के मुआवजे को लेकर जापान और दक्षिण कोरिया के बीच तनावपूर्ण संबंधों पर सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहा।

ब्लिंकन के साथ बातचीत के बाद मोटेगी ने कहा कि दोनों मंत्रियों ने क्षेत्र के समुद्री इलाकों में यथा स्थिति में बदलाव के चीन के एकतरफा प्रयासों का विरोध किया। गौरतलब है कि जापान का संविधान किसी भी अंतरराष्ट्रीय मसले के हल के लिए बल प्रयोग पर पाबंदी लगाता है और एशिया में उसका अपनी सैन्य शक्ति को बढ़ाना संवेदनशील मुद्दा है। जापान अपनी अर्थव्यवस्था को लेकर भी बेहद संवेदनशील कूटनीतिक स्थिति में हैं क्योंकि क्षेत्र के अन्य देशों की तरह उसकी अर्थव्यवस्था भी बहुत हद तक चीन पर निर्भर है, लेकिन वह जापान क्षेत्र में चीन की बढ़ती समुद्री गतिविधियों को सुरक्षा के प्रति खतरा मानता है। चीन ने दक्षिण चीन सागर में मानवनिर्मित द्वीप बनाए हैं और उन्हें सैन्य उपकरणों से लैस किया है। इतना ही नहीं, वह दक्षिण चीन सागर के लगभग सभी मछली समृद्ध क्षेत्रों और जलमार्गों पर अपने हक के दावे कर रहा है। जापान पूर्वी चीन सागर में अपने नियंत्रण वाले सेंकाकु द्वीपों पर चीन के दावे और विवादित क्षेत्र में उसकी बढ़ती गतिविधियों को खारिज करता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुलिस एनकाउंटर में पिछले ४ साल में अब तक १३५ अपराधी ढेर

मारे गए अपराधियों में से ५१ अपराधी मुस्लिम धर्म से ताल्लुक रखते थे

क्रांति समय दैनिक

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने साल २०१७ से लेकर अब तक ताबड़तोड़ एनकाउंटर में १३५ अपराधियों को मार गिराया है। एनकाउंटर में उत्तर प्रदेश के ज़्यादातर इनामी बदमाशों को ढेर करने का दावा किया गया है। यूपी पुलिस ने बीजेपी की सरकार बनने के बाद पहला एनकाउंटर २७ सितंबर २०१७ को मंसूर पहलवान का किया था। दूसरी तरफ यूपी पुलिस का अभी तक का आखिरी एनकाउंटर २०२१ में मोती नाम के बदमाश का है। कासगंज में मुठभेड़ में मारे गए मोती पर एक लाख रूपए का इनाम था। यूपी पुलिस के एनकाउंटर में कानपुर के विकास दुबे का मुठभेड़ भी शामिल है, जिसके सिर पर

५ लाख रूपए का इनाम था। इसके अलावा ढाई लाख रूपए के इनामी बदमाश तीन हैं, जिन को मार गिराया गया। दो लाख की पुरस्कार वाले अपराधियों की संख्या दो है। डेढ़ लाख रूपए के इनाम वाले अपराधियों की संख्या तीन है और एक लाख के इनाम वाले अपराधियों की संख्या १८ हैं।

७५००० के इनामी अपराधियों की संख्या एक है, वहीं सबसे ज्यादा मुठभेड़ में मारे गए अपराधियों की संख्या उनकी है, जिनके ऊपर ५० हज़ार रूपए का इनाम घोषित था। ऐसे अपराधियों की संख्या ४६ है।

सबसे खास बात यह है कि मारे गए १३५ खूंखार अपराधियों में से मुस्लिम अपराधियों की संख्या ५१ है। यानी कि कुल १३५ में से ५१ अपराधी ऐसे थे, जो धर्म से मुस्लिम थे। इसको लेकर उत्तर प्रदेश में राजनीति गर्माई हुई है। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि यूपी सरकार जानबूझकर मुस्लिमों को टारगेट कर रही है और इसी के चलते प्रदेश में बीजेपी सरकार के दौरान हुए एनकाउंटर में ३७ फीसदी मरने वाले मुस्लिम समाज से हैं। हालांकि, इसका खंडन करते हुए भारतीय जनता पार्टी की तरफ से बयान दिया गया कि उसकी सरकार सब धर्मों के साथ समान व्यवहार करती है। अपराधियों का कोई धर्म नहीं होता है। किसी को भी जानबूझकर निशाना नहीं बनाया गया है। पिछले ४ साल में उत्तर प्रदेश सरकार पर बड़ी संख्या में पुलिस एनकाउंटर करने के आरोप भी लगे।

शुरूआत के २ साल में उत्तर प्रदेश पुलिस ने १०० से ज्यादा लोगों को एनकाउंटर में मार गिराया, जिसके बाद विवाद शुरू हुआ तो सरकार की तरफ से सख्त निर्देश दिए गए कि मुठभेड़ों में अपराधियों को जिंदा पकड़े जाने की ज्यादा कोशिश की जाए।

इसका नतीजा यह था कि बाकी के २ साल में यूपी पुलिस ने काफी कम संख्या में एनकाउंटर किए और अपराधियों को पकड़ने में भी कामयाबी हासिल की।

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी की वीसी की शिकायत के बाद मस्जिद का लाउडस्पीकर हटा, अजान की आवाज से टूटती थी नींद

क्रांति समय दैनिक

प्रयागराज में इलाहाबाद यूनिवर्सिटी की कुलपति संगीता श्रीवास्तव की आपत्ति के बाद उनके घर की तरफ से मस्जिद के लाउडस्पीकर हटा दिये गए हैं। कुलपति ने डीएम को पत्र लिखकर मस्जिद के लाउडस्पीकर से सुबह के समय होने वाली अजान की आवाज से नींद में खलल की बात कहते हुए कार्रवाई के लिए कहा था। वीसी की शिकायत के बाद मस्जिद कमेटी ने लाउडस्पीकर का मुंह घुमाने के साथ ही उसकी आवाज भी कम कर दी है।

क्लाइव रोड स्थित लाल मस्जिद के मुतवल्ली कालीमुर्रहमान ने कहा कि हम लोग एक ही समाज में रहते हैं। कुलपति जी ने अगर हमसे पहले ही बता दिया होता तो हम आवाज कम कर देते। उनको परेशानी न हो इस बात का ख्याल रखा जाएगा। अभी उनके घर की तरफ लगे स्पीकरों की दिशा बदल दी गई है। पचास फीसदी आवाज भी कम कर दी गयी है। अगर किसी को दिक्कत होती है तो उसे और कम कर देंगे। मस्जिद कमिटी ने बताया कि पहले मीनार पर चार लाउडस्पीकर लगे थे। जिला प्रशासन से अनुमति न होने के कारण दो स्पीकर पहले ही हटा लिए गए थे। अभी दो ही स्पीकर लगे थे। वीसी की आपत्ति के बाद दोनों लाउडस्पीकर की आवाज ५० फीसदी घटा दी गई है। अब अजान की आवाज वीसी के घर तक नहीं जाएगी।

विदित हो कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने प्रयागराज के जिलाधिकारी को पत्र लिखकर लाउडस्पीकर से होने वाली अजान की आवाज से नींद में खलल की बात करते हुए कार्रवाई की मांग की थी। कुलपति ने जिलाधिकारी को भेजे गए पत्र में कहा कि रोज सुबह लगभग साढ़े पांच बजे उनके

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

आवास के समीपवर्ती मस्जिद से लाउडस्पीकर पर होने वाली अजान से उनकी नींद इस तरह बाधित हो जाती है कि उसके बाद तमाम कोशिश के बाद भी वह सो नहीं पातीं। जिसकी वजह से उन्हें दिनभर सिरदर्द बना रहता है और कामकाज भी प्रभावित होता है।

पत्र में आगे कहा है कि एक पुरानी कहावत, 'आपकी स्वतंत्रता वहीं खत्म हो जाती है जहां से मेरी नाक शुरूहोती है', यहां बिल्कुल सटीक बैठती है। कुलपति ने पत्र में यह भी स्पष्ट किया है कि वह किसी सम्प्रदाय, जाति या वर्ग के खिलाफ नहीं हैं। वह अपनी अजान लाउडस्पीकर के बगैर कर सकते हैं जिससे दूसरों की दिनचर्या प्रभावित न हो। आगे ईद से पहले सहरी की घोषणा भी सुबह चार बजे होगी। यह भी उनके और दूसरों की परेशानी की वजह बनेगा। पत्र में कुलपति ने यह भी कहा है कि भारत के संविधान में सभी वर्ग के लिए पंथनिरपेक्षता और शांतिपूर्ण सौहार्द की परिकल्पना की गई है। उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश (पीआईएल नंबर- ५७० ऑफिस २०२०) का हवाला भी दिया है।

साथ ही कहा है कि आपकी (जिलाधिकारी) त्वरित कार्रवाई की बड़े स्तर पर सराहना होगी और प्रभावित लोगों को लाउडस्पीकर के तेज आवाज से होने वाली अनिद्रा से निजात व शांति मिलेगी।

मंदिर परिसर में साधु की बेरहमी से हत्या, जांच में जुटी पुलिस

क्रांति समय दैनिक

आगरा में एक साधु की मंदिर परिसर में धारदार हथियार से हमला करके बेरहमी से हत्या की गई। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। साथ ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। ये पूरा मामला थाना न्यू आगरा इलाके का है, जहां पर यमुना किनारे जंगलों में हनुमान का मंदिर बना हुआ है। इसी मंदिर में एक साधु शिव गिरि पूजा अर्चना किया करते थे और मंदिर परिसर में ही रहते थे। बुधवार सुबह स्थानीय लोगों ने देखा कि साधु लहूलुहान हालत में मंदिर परिसर में पड़े हुए हैं। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया। एसपी सिटी आगरा रोहन पी बोत्रे ने कहा कि साधू की हत्या कुल्हाड़ी से काटकर की गई है। शव को पोस्टमॉर्टम में लिए भेजा गया है। हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि हत्या किन वजहों से की गई इसकी जांच की जा रही है। हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली गई है। डॉग स्क्वाड और फॉरेंसिक की टीम भी जांच में लगाई गयी है। आशंका जताई जा रही है कि किसी परिचित ने ही इस वारदात को अंजाम दिया है।

इस हत्या को खुलासे के लिए सर्विलॉन्स की टीम को भी लगाया गया है।

सार-समाचार

माफिया कुंटू सिंह की एक करोड़ की संपत्ति कुर्क,प्रशासन ने लगाई लाल झंडी

आजमगढ़, उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश में माफियाओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। इस क्रम में जिले के सगड़ी तहसील क्षेत्र के खर्रा रस्तीपुर में प्रशासन ने माफिया कुंटू सिंह व उनके परिजनों की २८ बीघे की संपत्ति को कुर्क किया है। यह जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान काफी मात्रा में भारी पुलिस बल मौके पर तैनाथ रहा। कर्क की गई कुर्क की गई संपत्ति पर प्रशान ने लाल झंडी लगा दी है। बताया जा रहा है कि आरोपी डी-११ के नाम से मशहूर ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू सिंह निवासी छपरा सुलतानपुर के गैंग में मुख्य रूप मुन्ना सिंह निवासी छपरा सुलतानपुर, साधु उर्फ बलकरन निवासी हरा इस्माइलपुर, राम अवध निवासी अजगरा, अखंड प्रताप सिंह निवासी जमुआ, थाना तरवां, पंकज पांडेय निवासी जनकपुर, थाना सिधारी, शिवप्रकाश, ओम प्रकाश यादव निवासी सरदारपुर, थाना मुबारकपुर, रमेश सिंह निवासी कैथौली, सुनील कुमार निवासी बघावर आदि शामिल हैं। इसके सरगना कुंटू सिंह का आपराधिक इतिहास १९९४ में खोला गया था। इस बार में पुलिस प्रवक्ता का कहना है ? कि २८ बीघा के प्लाट में से २१ बीघा भाग में गन्ने व धान की बोई गई थी। प्रशासन ने चारों तरफ लाल झंडी व बैनर पोस्टर लगाकर कुर्की की जानकारी आसपास वालों को भी दिया। इस मौके पर सगड़ी तहसीलदार बृजेंद्र उपाध्याय, जीयनपुर कोतवाल नंद कुमार तिवारी, इमलिया चौकी इंचार्ज भगत सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रेमी युगल ने लगाई फांसी लगाकर की आत्महत्या, नेपाल से भागकर आए थे भदोही

भदोही,उत्तर प्रदेश में भदोही जिले के गोपीगंज कोतवाली क्षेत्र में एक प्रेमी युगल ने संदेहास्पद परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रेमी जोड़ा जिले में स्थित एक कालीन कम्पनी में बुनाई का काम करते थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पड़ोसी देश नेपाल से भाग कर यह युगल कुछ रोज पहले भदोही आया था। जहां दोनों एक कालीन कम्पनी में बुनाई का काम करते थे। बुधवार की सुबह प्रेमी युगल का शव फांसी के फंदे से लटका पाया गया। उन्होंने बताया कि नेपाल के वारा जिले निजगढ़ मुहल्ला निवासी विक्रम (२४) का अपने मुहल्ले की ही एक शादी शुदा महिला उर्मिला से प्रेम हो गया और वह भागकर भदोही के गोपीगंज आ गए। दोनो यहीं रहकर कालीन बुनाई का काम करते थे। बुधवार की सुबह कालीन कम्पनी परिसर में मौजूद एक पेड़ पर दोनों प्रेमी जोड़ों का लटका हुआ शव पाया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस शवों को कब्जे में लेकर जांच-पड़ताल में जुट गई है।

कर्जे से परेशान होकर किसान ने लगाई फांसी, मौत

हमीरपुर जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र के कुछेछा गांव में एक किसान ने कर्ज से परेशान होकर पेड़ से फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। इस सूचना पर कुछेछा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। साथ ही किसान का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कुछेछा गांव में मजदूर रामदास सविता (५०) का शव सुबह बेतवा नदी के किनारे एक पेड़ में फांसी के फंदे से लटका हुआ पाया गया।

नोएडा में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ २५ हजार का ईनामी घायल

नोएडा, उत्तर प्रदेश के नोएडा में थाना नॉलेज पार्क पुलिस और दो बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लग गई और वह घायल हो गया।

घायल की पहचान अनूपशहर जनपद निवासी चमन के रूप में हुई। चमन पर गौतम बुद्ध नगर पुलिस ने २५ हजार रूपए का ईनाम घोषित कर रखा था। पुलिस उपायुक्तजोन तृतीय राजेश कुमार सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गोली चमन को लगी जो अनूपशहर जनपद बुलंदशहर का निवासी है। उसका साथी नाजिम मुठभेड़ के दौरान भाग गया था,

लेकिन बाद में उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। सिंह ने बताया कि घायल बदमाश पर थाना नॉलेज पार्क, बुलंदशहर, अलीगढ़ के कई थानों में गोकशी के मामले दर्ज है।

वह गैंगस्टर एक्ट में जेल जा चुका है। पुलिस ने बदमाशों के पास से एक होंडा सिटी कार, दो देशी तमंचे, रस्सी, चाकू, गंड़ासा व गायों को बेहोश करने वाला इंजेक्शन आदि बरामद किया है। उन्होंने बताया कि घायल बदमाश को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

कश्मीर में आतंकी घटनाओं में कमी आई किंतु पाकिस्तानी गोलाबारी बढ़ी: सरकार

नयी दिल्ली। सरकार ने बुधवार को बताया कि पिछले तीन सालों के दौरान जम्मू कश्मीर में आतंकवाद की घटनाओं में काफी कमी आयी है किंतु सीमा पार से गोलाबारी की घटनाएं बढ़ गयी हैं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''पिछले तीन सालों में जम्मू कश्मीर में आतंकवाद की घटनाओं और सीमा पार से घुसपैठ में काफी कमी आयी है। बहरहाल पिछले तीन सालों में सीमा पार से गोलाबारी की घटनाओं में वृद्धि हुई है।'' रेड्डी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में 2018 में आतंकवाद की 614 घटनाएं हुई थीं जो 2020 में घटकर 244 रह गयीं। उन्होंने कहा कि 2018 में ऐसी घटनाओं में 39 नागरिकों की जान गयी जबकि 2020 में यह संख्या 37 थी। इस दौरान 2018 में शहीद होने वाले सुरक्षाकर्मियों की संख्या 91 और 2020 में 62 थी। मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा 2018 में गोलाबारी की 2140 घटनाओं को अंजाम दिया गया जबकि 2020 में इनकी संख्या बढ़कर 5133 हो गयी।

बागडोगरा हवाई अड्डे से दो चीनी नागरिक गिरफ्तार, बिना किसी दस्तावेज के यात्रा करने का आरोप

सिलीगुड़ी। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी के पास बागडोगरा हवाई अड्डे से चीन के दो नागरिकों को बिना किसी दस्तावेज के यात्रा करने के आरोप में मंगलवार को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान नव जांग जुंग (39) और केई लेंग (42) के तौर पर हुई है। उन्होंने बताया कि दोनों आंध्र प्रदेश के तिरूपति जा रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि उनकी संदिग्ध गतिविधि पर, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मियों ने हवाई अड्डे पर उन्हें हिरासत में लिया और बाद में पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए एक शख्स के पास पासपोर्ट है, लेकिन वीजा नहीं हैं जबकि अन्य शख्स कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि दोनों सोमवार को नेपाल से भारत आए थे और बागडोगरा के एक होटल में एक रात बिताने के बाद सुबह में हवाई अड्डे पहुंचे थे। पुलिस ने कहा कि उनके पास से दो आधार कार्ड मिले हैं जिनमें उत्तर प्रदेश का पता लिखा है। उन्होंने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा को जान से मारने की धमकी, विदेशी नंबर से आई थी कॉल

जींद। हरियाणा के मशहूर गायक मासूम शर्मा ने आरोप लगाया है कि विदेशी नंबर से उन्हें फोनकर उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। शर्मा ने इस बाबत जुलाना थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसने मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव ब्राह्मणवास निवासी हरियाणवी गायक शर्मा ने बताया कि 16 मार्च की शाम को एक विदेशी नंबर से व्हाट्सऐप कॉल आई। कॉल करने वाला उन्हें जान से मारने की धमकी देने लगा और उनके परिवार के बारे में गलत शब्दों का प्रयोग किया। उन्होंने कहा, 'जब मैंने फोन करने वाले व्यक्ति से उसकी पहचान पूछी तो उसने कोई जवाब नहीं दिया और फोन को काट दिया।' शर्मा ने बताया कि उसने बाद उन्हें पास व्हाट्सऐप पर संदेश भेजे और परिवार के लोगों को मारने की धमकी दी। जुलाना थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने धमकी देने का मामला दर्ज कर लिया है और साइबर प्रकोष्ठ की सहायता लेकर धमकी देने वालों का पता लगाया जा रहा है।

लेफ्टिनेंट जनरल बीएस राजू होंगे डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस

श्रीनगर। लेफ्टिनेंट जनरल बी एस राजू ने थल सेना के सामरिक रूप से महत्वपूर्ण एवं कश्मीर घाटी में नियंत्रण रेखा (एलओसी) की पहरेदारी करने वाली 15 वीं कोर की कमान बुधवार को लेफ्टिनेंट जनरल डी पी पांडे को सौंप दी। दरअसल, लेफ्टिनेंट जनरल राजू सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) का प्रभार संभालने वाले हैं। श्रीनगर स्थित 15वीं कोर के मुख्यालय में एक सादे समारोह में इसकी कमान लेफ्टिनेंट जनरल पांडे को सौंप दी गई, जो पूर्व में क्षेत्रीय सेना के महानिदेशक के तौर पर सेवा दे चुके हैं। वह कश्मीर में चरमपंथ रोधी 'किलो फोर्स' के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) के तौर पर भी सेवा दे चुके हैं। सेना की 15 वीं कोर को चिनार कोर के नाम से भी जाना जाता है। एक अधिकारी ने बताया, ''वह (राजू) भारतीय थल सेना के डीजीएमओ की उच्चतर जिम्मेदारियों का निर्वहन करने जा रहे हैं।''

भारतीय वायुसेना का मिग-21 विमान ग्वालियर में दुर्घटनाग्रस्त, ग्रुप कैप्टन की हुई मौत

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में भारतीय वायुसेना का लड़ाकू विमान मिग-21 बाइसन बुधवार को हादसे का शिकार हो गया। बुधवार सुबह ग्वालियर एयरबेस पर कॉम्बेट ट्रेनिंग मिशन के दौरान टेक ऑफ करते वक्त भारतीय वायुसेना का मिग-21 विमान क्रैश हो गया। इस हादसे में एक ग्रुप कैप्टन की मौत हो गई है। हालांकि, इस हादसे की जांच के आदेश भारतीय वायुसेना ने दे दिए हैं। भारतीय वायुसेना ने ट्वीट कर इस हादसे पर दुख जताया है।

राहुल ने देश में लोकतंत्र पर उठाए सवाल, भाजपा के किया जोरदार पलटवार

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दो विदेशी संस्थाओं द्वारा भारत में स्वतंत्रता और लोकतंत्र की स्थिति की आलोचना किए जाने के संदर्भ में कहा कि देशको इन संस्थाओं से मुहर की जरूरत नहीं है, लेकिन यहां हालात इनकी कल्पना से कहीं ज्यादा खराब हैं। इशारों-इशारों में राहुल ने मोदी की तुलना सद्दाम हुसैन और गद्दाफी से कर दी और भारत को इराक और लीबिया तक बता दिया। राहुल के इस बयान के बाद से सत्ता पक्ष की ओर से उन पर पलटवार किया गया है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि राहुल गांधी की बातों पर टिप्पणी करना बेकार है क्योंकि वे विचार से नहीं करते। पता नहीं वे किस ग्रह पर रहते हैं। देश के लोकतंत्र की तुलना गद्दाफी और सद्दाम हुसैन से करना जनता का अपमान है। गद्दाफी और सद्दाम जैसा इस देश में 1975 से 77 केवल 2 ही साल हुआ।

न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक जावड़ेकर ने कहा कि पिछले 6 सालों में भारत सरकार के प्रयास से दिल्ली और बाकी जगहों पर प्रदूषण कम हुआ है। लोग नजदीक के काम साइकिल या इलेक्ट्रिक वाहन से करें। राहुल के बयान पर कि खुद बीजेपी के नेता संसद में उनसे कहते हैं कि उनको किसी भी मुद्दे पर खुलकर बोलने की आजादी नहीं है पर केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि मुझे लगता है राहुल गांधी को भी पार्टी इजाजत नहीं दे रही। वे कुछ भी बोलते रहते हैं। उनकी बात पर जवाब देना बंद कर देना चाहिए।

आपको बता दें कि राहुल ने अमेरिका के ब्राउन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आशुतोष वार्ष्णेय के साथ ऑनलाइन बातचीत में यह दावा भी किया कि अगर कोई फेसबुक और व्हाट्सऐप को नियंत्रित कर सकता है तो फिर लोकतंत्र नष्ट हो सकता है। उनसे अमेरिकी संस्था फ्रीडम हॉउस और स्वीडन की संस्था वी डेम इंस्टिट्यूट की भारत के संदर्भ में की गई हालिया टिप्पणी के बारे में सवाल किया गया था। उन्होंने कहा कि ये विदेशी समूह हैं और भारत को इन समूहों की मुहर की जरूरत नहीं है, लेकिन यहां हालात इनकी कल्पना से कहीं ज्यादा खराब हैं। राहुल गांधी ने यह भीकहा कि वह पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र पर जोर देते हैं और उन्होंने यह कभी नहीं कहा कि कांग्रेस में चुनाव नहीं होना चाहिए।

ममता ने लोगों से कहा, भाजपा को ना दें वोट अन्यथा अपने धर्म का पालन नहीं कर पाएंगे

झाड़ग्राम। पश्चिम बंगाल में चुनावी घमासान जारी है। नेता एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। इन सबके बीच ममता बनर्जी ने आज लोगों से भाजपा को वोट ना देने की अपील की। एएनआई के मुताबिक ममता ने कहा कि बीजेपी को वोट न दें नहीं तो आप अपने 'धर्म' का पालन नहीं कर पाएंगे। आपको 'जय श्री राम' बोलना पड़ेगा, आप 'जय सिया राम' नहीं बोल पाएंगे। भगवान राम मां दुर्गा की पूजा करते थे क्योंकि वह कद में बहुत बड़ी हैं।

झाड़ग्राम में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मुझे जीवन में कई बार पीटा गया है। पहले सीपीएम मेरे साथ मारपीट करती थी और अब भाजपा ने भी ऐसा करना शुरू कर दिया है। हालांकि, सीपीएम के लोग अब भाजपा के लोग हो गए हैं। कुछ गद्दार, लालची लोग भी भाजपा में शामिल हो गए हैं। पीएम मोदी पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए ममता ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने चुनाव के दौरान, सत्ता में आने के बाद बिहार के लोगों का टीकाकरण करने का वादा किया था। लेकिन क्या उन्होंने टीके उपलब्ध कराए हैं? नहीं, उन्होंने नहीं किया, उन्होंने झूठ बोला।

गूगल-फेसबुक को विज्ञापनों से होने वाले लाभ का हिस्सा भारतीय मीडिया को भी मिले: सुशील मोदी

नयी दिल्ली। वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी ने बुधवार को कहा कि ऑस्टेलिया की तर्ज पर भारत में भी ऐसा कानून बनाया जाना चाहिए ताकि फेसबुक और गूगल जैसे बड़े कंपनियों को विज्ञापन से मिलने वाले राजस्व का हिस्सा खबरों के विषय वस्तु प्रदाता स्थानीय प्रकाशकों को मिल सके। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने पारम्परिक प्रिंट मीडिया और टेलीविजन चैनलों की आर्थिक स्थिति का मामला उठाते हुए कहा कि यह क्षेत्र अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, ''मैं भारत सरकार से आग्रह करता हूं कि ऑस्ट्रेलिया के समान भारत में कानून बनाया जाए ताकि गूगल आदि को विज्ञापन के राजस्व हिस्से के लिए बाध्य किया जा सके और भारत के प्रिंट और न्यूज़ टीवी चैनल को आर्थिक संकट से उबारा जा सके।'' मोदी ने कहा कि देश का प्रिंट मीडिया और न्यूज़ चैनल भारी संकट के दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हाल के वर्षों में यूट्यूब, फेसबुक, गूगल के आने के बाद विज्ञापन का बड़ा हिस्सा इन टेक जाइंट्स के पास चला जाता है। बिना खर्च किए ये दूसरे के बनाए न्यूज कंटेंट को अपने प्लेटफार्म पर दिखला कर पैसा कमा रहे हैं और परंपरागत मीडिया विज्ञापन की आय से वंचित हो रहा है।'' भाजपा सदस्य ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में जब पारंपरिक मीडिया के साथ ''राजस्व बंटवारे'' के लिए कानून बनाने की बात आई तो गूगल में सात दिनों तक समाचार सामग्री को रोक दिया। उन्होंने कहा, ''अंततः ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने न्यूज़ मीडिया सौदा संहिता कानून बनाया और गूगल को राजस्व बंटवारे के लिए बाध्य कर दिया।'' उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर अनेक देशों में कानून बनाने की पहल हुई है।

कांग्रेस पर बरसे योगी आदित्यनाथ, बोले- विकास के पैमाने में पिछड़ा है असम, इसके लिए उनकी नीतियां जिम्मेदार

गुवाहाटी। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने असम के कलाईगांव में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि असम की धरती शंकर देव की धरती भी है। वे ऐसे दूरदर्शी महापुरूष थे जिन्होंने भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अलख जगाते हुए घुसपैठ की समस्या के बारे में ध्यान आकर्षित किया था। इसीलिए शंकर देव को कांग्रेस ने मान्यता नहीं दी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस मान्यता देती भी कैसे, उनके साथ तो तुष्टीकरण की नीति भी जुड़ी थी। आप देख रहे होंगे असम विकास के पैमाने में पिछड़ा है तो उसके पीछे कांग्रेस और उसकी कुटिल नीतियां हैं। कांग्रेस कभी विकास की पक्षधर नहीं रही। इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस के गठबंधन एआईयूडीएफ पर भी जमकर हमला बोला और कहा कि इस संगठन का नाम असम में घुसपैठ कराने का रहा है।

उन्होंने कहा कि असम का चुनाव संस्कृति, सभ्यता को बचाने का महाचुनाव है। उन्होंने कहा कि यह नया भारत है जहां सभ्यता और संस्कृति के साथ खिलवाड़ करने की छूट किसी को नहीं दी जा सकती। हम विकास की योजनाओं में किसी के साथ जाति, मजहब, क्षेत्र और भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं करेंगे।।

अपने राज्य से बेखबर योगी बंगाल और असम की कानून-व्यवस्था सुधारने में व्यस्त: अखिलेश

लखनऊ। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज करते हुए कहा कि प्रदेश और इसकी राजधानी लखनऊ में अपराधी बेलगाम हैं, मगर मुख्यमंत्री इससे बेखबर होकर पश्चिम बंगाल और असम की कानून-व्यवस्था सुधारने में व्यस्त हैं। यादव ने पश्चिम बंगाल और असम में जल्द होने वाले विधानसभा चुनाव के लिये भाजपा के प्रचार में इन दिनों व्यस्त मुख्यमंत्री आदित्यनाथ पर हमला करते हुए बुधवार को एक बयान में कहा कि भाजपा राज में अपराधी बेखौफ होकर पुलिस पर ही हमलावर हो रहे हैं।

पुलिस का मनोबल गिरा हुआ है। अपराधी सत्ता संरक्षित होने के कारण निडर हैं कि उन पर हाथ डालने वाला पुलिस कर्मी ही निलम्बित होगा। उन्होंने कहा, महिला अपराधों को रोकने के खोखले दावे करने वाली भाजपा सरकार और उसके मुख्यमंत्री योगी पूरी तरह नाकाम हो चुके हैं। यही वजह है कि योगी अपने राज्य के हालात से बेखबर होकर पश्चिम बंगाल और असम की कानून-व्यवस्था सुधारने में व्यस्त हैं। यादव ने कहा कि महिलाओं एवं बच्चियों के साथ अपराध में राजधानी लखनऊ अव्वल नम्बर पर आ गई है। कोई दिन ऐसा नहीं जाता जब लूट, अपहरण, हत्या और दुष्कर्म की घटनाएं न होती हों। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा जनता के बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए जादुई जुमले उछालने लगती है। वह झूठे आंकड़ों से जनता को भ्रमित करने की चाहे जितने तिकड़म करले, मगर अब वह सफल होने वाली नहीं है। सभी को भाजपा के दावों में छुपे सच का पता चल गया है और वह झूठों को 2022 के चुनावों में सही सबक सिखाएगी।

जंतर-मंतर पर आम आदमी पाटी का प्रदर्शन, केजरीवाल ने पूछा- अगर एलजी सरकार तो चुनाव का क्या मतलब?

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार के बीच एक बार फिर से टकराव बढ़ने लगी है। दरअसल, उपराज्यपाल को व्यापक शक्तियां देने वाले केंद्र के विधेयक के खिलाफ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली के मंत्री और आम आदमी पार्टी ('आप') के सांसद, विधायक एवं पार्षद आज जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया। पार्टी के इस धरना में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी शामिल हुए। अपने संबोधन में अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार के इस इस बिल के कारण दिल्ली के लोग बहुत दुखी हैं। केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार संसद में 3 दिन पहले एक कानून लेकर आई है। उसमे लिखा है कि अब से दिल्ली सरकार का मतलब एलजी(उपराज्यपाल) होगा। तो फिर हमारा और जनता का क्या मतलब होगा? अगर दिल्ली सरकार का मतलब एलजी होगा तो दिल्ली का सीएम कहां जाएगा? फिर चुनाव क्यों कराए थे?

केजरीवाल ने अपने संबोधन में कहा कि अगर एलजी ही सरकार है तो दिल्ली में चुनाव का क्या मतलब। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार गिराना चाहती है। भाजपा वाले देश में सरकार गिराने के लिए जाने जाते हैं। उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि ये कानून केवल दिल्ली सरकार की ताकत को रोकने का कानून नहीं है बल्कि केजरीवाल मॉडल ऑफ गवर्नेंस को उत्तर प्रदेश, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड में रोकने का कानून भी है। ये कानून आम आदमी की बढ़ती ताकत को रोकने का कानून है।

जबकि आम आदमी पार्टी के नेता और सरकार में मंत्री गोपाल राय ने मंच से कहा कि दिल्ली के लोग डरे हुए है कि अगर केजरीवाल सरकार से ताकत छीन कर स्त्र के पास चली जाएगी तो बिजली-पानी की सुविधा बंद हो जाएगी, मुफ्त स्वास्थ्य सेवा और महिलाओं का मुफ्त बस सफर बंद हो जाएगा। इससे पहले केजरीवाल ने भाजपा पर आरोप लगाया था कि वह लोकसभा में एक नया विधेयक लाकर उनकी चुनी हुई सरकार की शक्तियों को ''बहुत कम'' करना चाहती है। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शासन संशोधन विधेयक, 2021 के अनुसार, दिल्ली विधानसभा में पारित विधान के परिप्रेक्ष्य में ''सरकार'' का आशय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के ''उपराज्यपाल'' से होगा।

सिद्धू किसी पद के लिये राजनीति में नहीं हैं: नवजोत कौर सिद्धू

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिन्दर सिंह और राज्य के पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू से बीच मुलाकात से पहले सिद्धू की पत्नी ने बुधवार को कहा कि वह कोई पद नहीं चाहते बल्कि राज्य की जनता की सेवा करना चाहते हैं। नवजोत कौर सिद्धू ने कहा कि वह और उनके पति इस कारण राजनीति में नहीं है। उन्होंने साल 2016 में सिद्धू के भाजपा छोड़ने के फैसले की ओर इशारा करते हुए दावा किया, अगर ऐसा होता तो वह केन्द्रीय मंत्री बन गए होते। नवजोत कौर ने अपने पति और मुख्यमंत्री के बीच होने वाली बैठक से कुछ घंटे पहले पत्रकारों से यह बात कही। कयास लगाए जा रहे हैं कि सिद्धू को पंजाब के मंत्रिमंडल में वापस लाया जा सकता है।

इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धू के साथ दोपहर के भोजन पर मुलाकात करने वाले थे, लेकिन कोविड-19 को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभी मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस से हुई बैठक के चलते शाम चार बजे चाय पर दोनों नेताओं के मिलने का कार्यक्रम तय हुआ। इससे पहले दोनों नेताओं के बीच पिछले साल नवंबर में मुलाकात हुई थी। सिंह के साथ तल्खियां बढ़ने के कारण सिद्धू ने साल 2019 में पंजाब मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। नवजोत कौर सिद्धू ने कहा कि उनके पति कोई पद नहीं चाहते बल्कि वह पंजाब की सेवा सेवा करना चाहते हैं और जनता उनके साथ है।

कुरान पर उंगली उठाने वाले वसीम रिजवी के खिलाफ बढ़ा विरोध, मुस्लिम संगठनों ने उठाये सवाल

लखनऊ। (एजेंसी)।

देश के प्रमुख मुस्लिम संगठनों ने कुरान शरीफ से 26 आयतें हटाने के आग्रह सम्बन्धी याचिका दायर करने वाले उत्तर प्रदेश शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष वसीम रिजवी के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं किए जाने पर सवाल उठाए हैं। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड ने बृहस्पतिवार को रिजवी के मसले पर एक आपात बैठक बुलाई है, जिसमें इस मामले पर विचार विमर्श कर आगे की रणनीति तय की जाएगी। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वरिष्ठ सदस्य मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने वसीम रिजवी के खिलाफ अभी तक कोई भी कार्रवाई नहीं होने पर सवाल उठाते हुए बुधवार को कहा आखिर रिजवी को किसका संरक्षण हासिल है? उन्होंने कहा कि रिजवी ने कुरान शरीफ पर उंगली उठा कर सारी हदें पार कर दी हैं।

सरकार को चाहिए कि देश की आवाम के एक बड़े तबके की भावनाओं का ख्याल रखते हुए रिजवी के खिलाफ फौरन सख्त कानूनी कार्रवाई करे। इस बीच, ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि एक पूरे समुदाय के सब्र का इम्तिहान लेने वाली इस घटना को अंजाम देने के बावजूद रिजवी के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। यह अपने आप में एक बड़ा सवाल है। उन्होंने कहा कि वसीम रिजवी ने कुरान शरीफ से 26 आयतें निकालने की मांग वाली याचिका उच्चतम न्यायालय में दायर कर हिंदुस्तान ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के मुसलमानों की भावनाओं पर जबरदस्त चोट की है। अब्बास ने कहा कि रिजवी के मसले पर ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की बृहस्पतिवार को एक आपात बैठक बुलाई गई है जिसमें इस मामले पर भविष्य की रणनीति को लेकर निर्णय लिया जाएगा। इधर, रिजवी द्वारा कुरान शरीफ पर उंगली उठाने वाली याचिका दायर किये जाने के बाद उनके परिवार ने उनसे कोई नाता नहीं होने का एलान कर दिया है।

रिजवी के छोटे भाई जहीर रिजवी का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रहे हैं वसीम रिजवी से न तो मेरा, न मेरी मां का, न भाई और न ही बहन का कोई ताल्लुक है। कोई भी उनसे सम्बन्ध नहीं रखना चाहता। वह पागल हो गये हैं। उन्हें दीन और इस्लाम से कोई मतलब नहीं है, इसलिये वह इस तरह की बातें बोलते हैं। वह किसी के इशारे पर यह सब बातें कह रहे हैं। कौन उन्हें बहला रहा है, कौन राजनीति कर रहा है, मैं इसमें नहीं पड़ना चाहता। उन्होंने कहा वसीम रिजवी ने गुनाह-ए-कबीरा (महापाप) किया है। बहरहाल, कुरान की हिफाजत तो अल्लाह करेगा। उसमें से एक भी नुक्ता, ज़ेर, ज़बर नहीं हटाया जा सकता है। कुरान पर पहले भी हमले होते रहे हैं, मगर अल्लाह ने हर बार उसकी हिफाजत की है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष वसीम रिजवी ने गत 11 मार्च को उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दाखिल कर कहा था कि न्यायालय कुरान की 26 आयतों को हटाने के आदेश दे, क्योंकि उनसे आतंकवाद को बढ़ावा मिलता है। रिजवी के इस कदम की पूरे देश में कड़ी निन्दा की गयी थी। लखनऊ समेत अनेक स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किये गये थे। आल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड, दारुल उलूम देवबंद और शिया पर्सनल ला बोर्ड समेत अनेक मुस्लिम तंजीमों ने रिजवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनके खिलाफ बरेली में मुकदमा भी दर्ज हो चुका है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)